▪ भाद्रपद शुक्ल - 3 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 45 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 06-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 फिलहाल तो बिहार में प्रशांत किशोर का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं : जद (यू)

6 बढ़ रहे बलात्कार, जिम्मेदार कौन?

7 अपनी माँ के प्लेस्कूल में शिक्षिका के रूप में काम करती थीं कियारा आडवाणी

## फर्स्ट टेक

### जर्मनी में इजरायली वाणिज्य दूतावास के पास गोलीबारी

**बर्लिन/एजेन्सी।** जर्मनी के तीसरे सबसे बड़े प्रांत बवेरिया की राजधानी म्यूनिख में स्थित इजरायली वाणिज्य दूतावास के पास एक बंदूकधारी ने गुरुवार को गोलीबारी की। 'कान सार्वजनिक प्रसारक' के अनुसार, हमले में कोई घायल नहीं हुआ है। विदेश मंत्रालय के कार्यालय के अनुसार हमले में वाणिज्य दूतावास का कोई भी कर्मचारी घायल नहीं हुआ है। सुरक्षा बलों ने हमलावर को पकड़ लिया है। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में वाणिज्य दूतावास के पास भारी गोलीबारी होती दिख रही है। इजरायली दूतावास शहर के नाज़ी–युग के इतिहास पर एक संग्रहालय के करीब स्थित है। वर्ष 1972 म्यूनिख ओलंपिक आतंकवादी हमले की बरसी के दिन यह हमला किया गया है। येरूसलम पोस्ट के मुताबिक, आज से 52 साल पहले भी म्यूनिख में ऐसा हमला हुआ था।

### रूस क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग में विश्व के अग्रणी देशों में से एक है : पुतिन

**व्लादिवोस्तोक/एजेन्सी।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि उनका देश क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक है। पुतिन ने आज पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ) के पूर्ण अधिवेशन के दौरान कहा, आज रूस खनन के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में से एक है और यह साइबेरिया में अधिक ऊर्जा क्षमता के कारण है। पूर्वी आर्थिक मंच मंगलवार को शुरू हुआ और शुक्रवार तक चलेगा। इसकी मेजबानी रूस के प्रशांत तट के शहर व्लादिवोस्तोक में सुदूर पूर्वी संघीय विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही है।

### इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में हिजब्बुला के ठिकानों को बनाया निशाना

**यरूशलम/एजेन्सी।** इज़रायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि वायु सेना ने दक्षिणी लेबनान में लेबनानी हिज़्बुल्लाह आंदोलन के दस से अधिक लांचरों और सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। आईडीएफ ने बुधवार को टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कुछ समय पहले, भारतीय वायुसेना ने दक्षिणी लेबनान के जिब्बैन, ज़वतार एल चरकीयेह और रामिया के क्षेत्रों में इज़रायल के नागरिकों के लिए खतरा पैदा करने वाले दस से अधिक हिज़्बुल्लाह लांचरों और सैन्य ठिकानों पर हमला किया। अक्टूबर 2023 में इज़रायल द्वारा गाजा में शत्रुता शुरू करने के बाद इज़रायल–लेबनानी सीमा पर स्थिति और खराब हो गई। इज़राइल रक्षा बल और हिज़्बुल्लाह के लड़ाके सीमा से लगे क्षेत्रों में एक–दूसरे के ठिकानों पर लगभग रोज़ाना हमले करते हैं।

| 06-09-2024 | 07-09-2024 |
| --- | --- |
| सूर्यास्त 6:27 बजे | सूर्योदय 6:08 बजे |

| BSE | NSE |
| --- | --- |
| 82,201.16 | 25,145.10 |
| (-151.48) | (-53.60) |

| सोना | चांदी |
| --- | --- |
| 7,531 रु. | 86,409 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### अजब तमाशा

है कौन यहां सचमुच शोषित,
यह बहुत कठिन परिभाषा है।
किसको मिलना है आरक्षण,
किसकी कितनी प्रत्याशा है।
अब कौन दलित है लोकतंत्र में,
किसको किससे आशा है।
वंचित को न्याय मिलेगा कब,
शोषण का अजब तमाशा है।।

## भारत, सिंगापुर ने किए सेमीकंडक्टर साझीदारी सहित 4 एमओयू पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**सिंगापुर/एजेन्सी।** भारत और सिंगापुर ने गुरुवार को अपनी रणनीतिक साझीदारी को समग्र रणनीतिक साझीदारी का रूप देने के साथ चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये जिनसे दोनों देशों के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम साझीदारी, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, शैक्षिक सहयोग और कौशल विकास के क्षेत्र शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के बीच द्विपक्षीय बैठक में इन समझौतों पर हस्ताक्षर और आदान प्रदान किया गया। इससे पहले लॉरेंस वोंग की मौजूदगी में सिंगापुर की संसद में प्रधानमंत्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया, जिसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने अपने प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की। बैठक में दोनों देशों के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम साझीदारी, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, शैक्षिक सहयोग और कौशल विकास के क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने वाले चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गये।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि सिंगापुर केवल एक साझीदार देश नहीं है। सिंगापुर, हर विकासशील देश के लिए एक प्रेरणा है। हम भी भारत में अनेकों सिंगापुर बनाना चाहते हैं। यह खुशी की बात है कि हम इस दिशा में मिलकर प्रयास कर रहे हैं। हमारे बीच जो मंत्रिस्तरीय राउंडटेबल बनी है, वो एक अनूठी प्रणाली है। कौशल विकास, डिजिटलाईजेशन, मोबिलिटी, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे, सेमीकंडक्टर और आर्टफीशियल इंटेलीजेंस, स्वास्थ्य, सातत्य, और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की दिशा में पहलों की पहचान की गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, सिंगापुर हमारी एक्ट ईस्ट नीति का अहम सूत्रधार भी है। लोकतांत्रिक मूल्यों में साझा विश्वास हमें एक दूसरे से जोड़ता है। मुझे ख़ुशी है कि मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे सिंगापुर आने का अवसर मिला है।

### मोदी ने सिंगापुर के कारोबारी दिग्गजों को विमानन, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश का न्योता दिया

**सिंगापुर/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंगापुर के कारोबारी दिग्गजों से भारतीय विमानन क्षेत्र में निवेश का आह्वान करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि बढ़ते घरेलू हवाई यातायात को देखते हुए भारत में 100 से अधिक नए हवाई अड्डों और अधिक विमानन कंपनियों की जरूरत होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर की अपनी यात्रा के दौरान यहां कई दिग्गज कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ बैठक के दौरान उन्हें विमानन के अलावा ऊर्जा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने सिंगापुर के कारोबारी दिग्गजों के साथ गोलमेज बैठक में कहा कि भारत के विमानन क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ''अगर दुनिया में कोई सबसे तेजी से बढ़ता विमानन बाजार है तो वह भारत में है। पूरा आसमान ही खुला है।''

## बच्चों को इस तरह से शिक्षित किया जाए कि वे हमेशा महिलाओं की गरिमा बनाए रखें : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं के प्रति सम्मान केवल बातों तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसे अमल में भी लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और माता–पिता की यह जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को इस तरह से शिक्षित करें कि वे हमेशा महिलाओं की गरिमा बनाए रखें।

मुर्मू ने यहां राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''किसी भी समाज में महिलाओं की स्थिति उनके विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड है। शिक्षकों और अभिभावकों की यह जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को इस तरह शिक्षित करें कि वे हमेशा महिलाओं की गरिमा बनाये रखें।''

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षकों का यह कर्तव्य है कि वे ऐसे नागरिक तैयार करें जो न केवल शिक्षित हों बल्कि संवेदनशील, ईमानदार और व्यावहारिक भी हों। उन्होंने कहा, ''जीवन में आगे बढ़ना ही सफलता है, लेकिन जीवन का अर्थ दूसरों के कल्याण के लिए काम करने में निहित है। हममें करुणा होनी चाहिए। हमारा आचरण नैतिक होना चाहिए। सार्थक जीवन में ही सफल जीवन निहित है। छात्रों को ये मूल्य सिखाना शिक्षकों का कर्तव्य है।''

मुर्मू ने कहा कि किसी भी शिक्षा प्रणाली की सफलता में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, ''शिक्षण केवल एक नौकरी नहीं है। यह मानव के विकास का एक पवित्र मिशन है। यदि कोई बच्चा अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं है, तो शिक्षा प्रणाली और शिक्षकों की जिम्मेदारी अधिक होती है।'' उन्होंने कहा कि शिक्षक अक्सर केवल उन विद्यार्थियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो अकादमिक रूप से उत्कृष्ट होते हैं। उन्होंने कहा, ''हालांकि, उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन उत्कृष्टता का केवल एक आयाम है। एक बच्चा बहुत अच्छा खिलाड़ी हो सकता है; किसी बच्चे में नेतृत्व कौशल हो सकता है; कोई बच्चा सामाजिक कल्याण गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने में रुचि रखता है। शिक्षक को प्रत्येक बच्चे की स्वाभाविक प्रतिभा को पहचानना होगा और उसे बाहर लाना होगा।''

राष्ट्रपति ने शिक्षकों से कहा कि उनके छात्रों की पीढ़ी एक विकसित भारत का निर्माण करेगी। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों को वैश्विक सोच और विश्वस्तरीय कौशल रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''महान शिक्षक महान राष्ट्र का निर्माण करते हैं। केवल विकसित मानसिकता वाले शिक्षक ही ऐसे नागरिक तैयार कर सकते हैं जो विकसित राष्ट्र का निर्माण करेंगे। मुझे विश्वास है कि विद्यार्थियों को प्रेरित करके हमारे शिक्षक भारत को दुनिया का ज्ञान केंद्र बनाएंगे।''

### राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किए गए 82 शिक्षक

**नई दिल्ली/भाषा।** हैप्पीनेस लैब, घर–आधारित शिक्षा यात्राएं, बाल विवाह की रोकथाम और पुनर्चक्रित सामग्रियों से बनी स्वचालित स्कूल घंटी उन उपलब्धियों में शामिल हैं, जिनके लिए देश भर के 82 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार मिला है। ये पुरस्कार बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किए गए।

### केजरीवाल की जमानत पर उच्चतम न्यायालय का फैसला सुरक्षित

**नई दिल्ली/वार्ता।** उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मुकदमे में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत की मांग के साथ ही गिरफ्तारी (सीबीआई की ओर से) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने याचिकाकर्ता केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और सीबीआई की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की घंटों दलीलें ने सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रखने का फैसला किया।

## वेदों का ज्ञान आम लोगों तक पहुंचना चाहिए : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पुणे/एजेन्सी।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि समाज में आस्था को जीवित रखने के लिए वेदों का ज्ञान आम लोगों तक पहुंचाना जरूरी है।

बालगंधर्व रंगमंदिर में श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास और श्री सद्गुरु ग्रुप पुणे द्वारा आयोजित वेदसेवक सम्मान समारोह में डॉ. भागवत ने कहा कि छुआछूत के लिए कोई स्थान नहीं है, फिर भी भेदभाव क्यों है।

इस अवसर पर, श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज, ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय बंसल, भारत विकास ग्रुप के संस्थापक डॉ. हनमंतराव गायकवाड़ और सकाळ मीडिया ग्रुप के प्रबंध निदेशक अभिजीत पवार, सद्गुरु ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष यशवंत कुलकर्णी उपस्थित थे।

डॉ. भागवत ने कहा, वेदों की भूमि देश, भाषा और पूजा की विविधता से समृद्ध है। भले ही हमारा अस्तित्व अलग–अलग लगता हो, लेकिन हम सभी एक साथ बंधे हुए हैं। हमारा राष्ट्रीय जीवन पूरे विश्व को खुशी पहुंचाना है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि समाज में उदासीनता बढ़ी है और बंगलादेश सांस्कृतिक पतन का पहला उदाहरण नहीं है। इससे पहले, अमेरिका, पोलैंड और अरब देशों ने पतन का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि समाज में कलह को भड़काने के लिये जो बाहरी शक्तियां आयी हैं। उनका तर्कपूर्ण जबाव देने के लिये हमें अपने ज्ञान को जगाना चाहिए और परंपरा तथा संविधान के अनुशासन का पालन करना चाहिए।

## सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि शांति बनाए रखने के वास्ते सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है।

सिंह ने सेना, नौसेना और वायु सेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक शांतिप्रिय राष्ट्र है और शांति बनाए रखने के वास्ते सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने यहां पहले संयुक्त कमांडर सम्मेलन में यूक्रेन और गाजा में जारी संघर्षों के साथ–साथ बांग्लादेश की स्थिति पर बात की और सेना से इन ''घटनाक्रम'' का विश्लेषण करने और इस ''अप्रत्याशित'' स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त सैन्य दृष्टिकोण विकसित करने के महत्व पर भी जोर दिया।

सिंह ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ चार साल से अधिक समय से जारी सीमा विवाद का भी जिक्र किया और स्थिति का गहन विश्लेषण करने पर बल दिया।

## कठिन समय में केन्द्र सरकार जनता के साथ : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बाढ़ से नुकसान का आकलन किया जाएगा और केन्द्र सरकार जनता के साथ हर संभव सहयोग करेगी।

चौहान ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में बुडामेरू, कैचमेंट और शहर में जलमग्न क्षेत्र, जक्कमपुडी मिल्क फैक्ट्री, कंद्रिका, अजीत सिंह नगर और अंबापुरम का हवाई सर्वेक्षण किया। चौहान ने भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए कृष्णा नदी पर बने प्रकाशम बांध और खेतों का निरीक्षण भी किया। इसके अलावा बाढ़ से प्रभावित आमजन और किसानों से मुलाक़ात की।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि फसलों को काफी नुकसान हुआ है। फसलों का जो प्रारंभिक अनुमान है, वह 1.8 लाख हेक्टेयर में है। भारी वर्षा की वजह से लगभग दो लाख किसान प्रभावित हुए हैं। नुकसान का आकलन प्रारंभ कर दिया गया है। स्थिति सामान्य बनाने और पीड़ितों को राहत उपलब्ध कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकार दिन–रात काम कर रही है।

चौहान दो दिवसीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के दौरे पर हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने स्थानीय लोगों से बात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पहले लाइफ बोट पर सवार होकर पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया और अधिकारियों से जलमग्न इलाकों की जानकारी ली।

## 'सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लोगों के सामने विकसित भारत का लक्ष्य रखा है, जिसे प्राप्त करने में नागरिक कर्तव्य सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

योगी ने कहा कि देश और सनातन धर्म के लिए अब लोगों को अपने अधिकारों की चिंता कम और नागरिक कर्तव्यों के विषय में अधिक चिंतन करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है और सनातन धर्म सुरक्षित एवं समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहेगा तो विश्व स्तर पर मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। योगी ने कहा कि यदि सनातन धर्म खतरे में पड़ेगा तो विश्व स्तर पर मानवता खतरे में पड़ जाएगी।

एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को अयोध्या में सिंघल फाउंडेशन के बैनर तले आयोजित भारतात्मा अशोक सिंघल वेद पुरस्कार– 2024 के पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल जी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की डिग्री ली थी, लेकिन उनका जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक प्रचारक के रूप में सनातन धर्म के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन और अशोक सिंघल एक–दूसरे के पूरक थे।

## कुर्स्क सैन्य अभियान में कीव के 10,100 से अधिक सैनिकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मॉस्को/एजेन्सी।** रूसी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि रूसी सशस्त्र बलों ने कुर्स्क क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में सैन्य अभियानों के दौरान 10,100 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया और 81 टैंकों को नष्ट कर दिया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कुल मिलाकर, कुर्स्क क्षेत्र में सैन्य अभियानों के दौरान, यूक्रेन 10,100 से ज्यादा सैनिकों, 81 टैंकों, 41 पैदल सेना से लड़ने वाले वाहनों, 72 बख्तरबंद वाहकों, 589 बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों, 325 कारों को गवां चुका है। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में कीव ने कुर्स्क क्षेत्र में 370 सैनिकों और 17 लड़ाकू बख्तरबंद वाहनों को खो दिया। मंत्रालय ने कहा कि रूसी इकाइयों ने यूक्रेनी सैनिकों के चार हमलों को विफल कर दिया और कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के हमले की कोशिश को विफल कर दिया।

## शिक्षक दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में गुरुवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। स्कूल के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन तथा सावित्रीबाई फुले की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर पूजा की। इस मौके पर राजपुरोहित ने कहा कि शिक्षक अपने शिष्य के चरित्र निर्माण की धुरी होते है। शिक्षक ज्ञानार्जन करवा कर काबिल बनता है। शिक्षक ही अपने शिष्य को अपने से श्रेष्ठ स्थान पर देखना चाहता है।

# चारित्रवान व्यक्ति को ही प्राप्त होता है केवलज्ञान : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने अंतगढ़ सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि शरीर का त्याग किया मगर धर्म को नहीं छोड़ा तो सबसे दुःखकारी वैराणुबन्ध माना गया है। ऋषि-मुनि का अपमान कभी भी नहीं करना चाहिए। संयम, तप एवं निर्जरा इन तीन गुणों से युक्त अंतगड सूत्र में साधकों के उत्कृष्ट जीवन का वर्णन है। मुक्ति गमन के लिए स्त्री-पुरुष के लिए कोई भेदभाव नहीं है। यादव वंशी राजकुमारों ने युवावस्था में चारित्र धर्म की आराधना करके मोक्ष धाम को प्राप्त किया, अतः हमें भी अधिक से अधिक धर्माराधना करनी चाहिए। किसी जीव को हल्की दृष्टि से नहीं आँकना चाहिए। किसी को भी अमर्यादित खुली छूट नहीं देनी चाहिए।

मानवीय व्यवहार की सबसे बड़ी शक्ति, चारित्र शक्ति है जो ज्ञान एवं दर्शन से भी बढ़कर है। केवलज्ञान भी चारित्रवान को ही प्राप्त होता है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने धन्यवाद दिया।

# मानसिक व आध्यात्मिक रोगों से मुक्त करवाता है संयम व्रत : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व के सान्निध्य में अणुव्रत चेतना दिवस मनाया गया। इस मौके पर साध्वी संयमलताजी ने कहा भगवान ने दो प्रकार के धर्म बताए हैं अगार धर्म व अणगार धर्म। अगार धर्म श्रावकों के लिए जिसमें वह छोटे-छोटे व्रतों को धारण कर स्वयं से जुड़ने की एक प्रेरणा है जो व्रत को स्वीकार करता है उसकी संकल्प शक्ति बढ़ती है। जिस प्रकार चिड़िया अपना घोंसला छोटे-छोटे तिनकों से, व्यक्ति अपना घर ईटों से बनाता है, उसी प्रकार व्यक्ति जीवन में छोटे-छोटे व्रतों को लेकर स्व की ओर बढ़ता है, संयम से अनेक संपदा को प्राप्त करता है। संयम हमें शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक सभी रोगों से मुक्त कराने वाला है। साध्वी मनीषाप्रभाजी ने कहा कि मूर्च्छा ही परिग्रह है, इस मूर्च्छा का त्याग ही परिग्रह है। साध्वी रौनकप्रभाजी ने कहा कि श्रद्धा व बुद्धि में यदि हमारी श्रद्धा मजबूत होती है तो हर कार्य सफलता प्राप्त कर लेता है।

# सद्‌गुण ही शिक्षित या ज्ञानी होने का सार है : आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वर

## शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों को बांटी पाठ्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में पर्युषण महापर्व के छठ्वें दिन महावीरस्वामी के चरित्र पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आज मनुष्य की पढ़ाई व बुद्धि अन्याय, अत्याचार, धूर्तता, विश्वासघात और ठगाई में लग रही है। ज्ञान और शिक्षा का भारी मात्रा में दुरुपयोग हो रहा है। अनपढ़ लोग ज्यादा सरल, सहिष्णु और सेवाभावी दिखाई दे रहे हैं, जबकि पढ़-लिखकर मनुष्य स्वार्थी बन रहा है। कुशलता का अर्थ कपटविद्या नहीं हो सकता। आज तो आदमी के भोलेपन को मूर्खता का दर्जा दिया जा रहा है। ज्ञान और शिक्षा सुख-शांति के आधार बनने चाहिए। सद्गुण ही हमारे शिक्षित या ज्ञानी होने की परीक्षा है। अगर शिक्षित होकर भी मानवता नहीं महकती है तो शिक्षा कसरत से अधिक कुछ नहीं है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मात्र साक्षर बन जाना या डिग्रियां प्राप्त कर लेना ही ज्ञानी होने का सार नहीं है। जो मनुष्य जीवन की संभावनाओं और उसके अर्थों को गहराई से समझाएं, वही सच्चा ज्ञान है। हम कितना जानते हैं, यह महत्वपूर्ण नहीं हैं, हम कैसा जीते हैं, यह महत्वपूर्ण है। हमारी पढ़ाई या विद्वत्ता किसी के शोषण अथवा परपीड़ा का माध्यम नहीं बननी चाहिए। यदि भरण-पोषण का सामर्थ्य शोषण का कारण बनता है तो वह दुःखदाई और दुर्भाग्यपूर्ण है। भारतीय संस्कृति और धर्मों ने उसे ज्ञान नहीं माना है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि तीर्थंकरों और महापुरुषों के जीवन चरित्र केवल पढ़ने या व्याख्याओं के लिए नहीं होते, उनमें निहित रहस्यों और गुणों से सांप्रत समाज उन्नत बनना चाहिए। सुसंस्कारों की रक्षा के लिए आज शिक्षा में परिवर्तन ही सबसे महत्वपूर्ण टास्क है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान और प्रवीण दांतेवाडिया ने बताया कि सायंकाल को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी ने अभिमंत्रित कर 750 विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री प्रदान की तथा आशीर्वाद दिया।

# इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं को अब सब्सिडी देने की जरूरत नहीं : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माताओं को सब्सिडी जारी रखने की जरूरत से इनकार करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अब लोग खुद ही ईवी या सीएनजी वाहनों को लेना पसंद कर रहे हैं।

गडकरी ने बीएनईएफ सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पहले इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण की लागत बहुत अधिक थी लेकिन अब मांग बढ़ चुकी है और इसकी उत्पादन लागत भी घट गई है। ऐसी स्थिति में ईवी विनिर्माताओं को सब्सिडी देने की जरूरत नहीं रह गई है। उन्होंने कहा, ''उपभोक्ता अब अपनी पसंद से ईवी और सीएनजी वाहनों को खरीदने लगे हैं। मुझे नहीं लगता है कि हमें अब इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अधिक सब्सिडी देने की जरूरत रह गई है। सब्सिडी की मांग अब उचित नहीं रही।'' उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगने वाला माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में कम है। फिलहाल हाइब्रिड एवं पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वाहनों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों पर सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी लगता है। उन्होंने कहा, ''मेरे विचार से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण को अब सरकार द्वारा सब्सिडी दिए जाने की जरूरत नहीं है। सब्सिडी की मांग अब उचित नहीं रह गई है।'' हालांकि, उन्होंने ईवी को प्रोत्साहन देने के लिए पेट्रोल एवं डीजल वाहनों पर अतिरिक्त कर लगाने की संभावना को नकार दिया। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की जगह वैकल्पिक ईंधन की तरफ रुख करना एक क्रमिक प्रक्रिया होगी। उन्होंने कहा कि ईवी में इस्तेमाल होने वाली लिथियम-ऑयन बैटरी की लागत में आगे चलकर और कमी आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें घटेंगी। गडकरी ने कहा, ''दो साल के भीतर डीजल, पेट्रोल और इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत बराबर हो जाएगी। शुरुआती दौर में ईवी की लागत बहुत अधिक होती थी लिहाजा हमें ईवी विनिर्माताओं को सब्सिड़ी देना जरूरी था।''

# अधिकारी सामूहिक प्रयास करें, तो डाक विभाग को लाभ में लाना संभव : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर अधिकारी एकजुट होकर काम करें और लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास करें तो डाक विभाग को लाभ में लाना संभव है।

डाक विभाग में अधिकारियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि एक सदी से भी ज्यादा पुराना डाक विभाग वर्ष 1952 से भारत की संस्कृति और इतिहास से गहराई से जुड़ा हुआ है, जब पहला डाक टिकट जारी किया गया था और अब बदलाव का समय है। डाक विभाग भारत सरकार के लिए एक लागत वाला केंद्र (खर्च वाली जगह) है। सिंधिया ने कहा, ''मैंने आज बहुत ही ऊंचे स्तर पर एक बहुत ही मजबूत दृष्टिकोण और एक मजबूत लक्ष्य रखा है, हम भारत सरकार के लिए एक लागत केंद्र हैं। हमारा राजस्व प्रवाह 12,000 करोड़ रुपए है। हमारा लागत प्रवाह 36,000 करोड़ रुपए है। ऐसा क्यों है कि मेरा परिवार सरकार के लिए लाभ केंद्र नहीं बन सकता? यह एक बड़ा लक्ष्य है। 12,000 करोड़ रुपए के राजस्व से 40,000 करोड़ रुपए तक जाना, लेकिन यह संभावना के दायरे से बाहर नहीं है।'' उन्होंने कहा कि यदि विभाग ''एक टीम, एक दृष्टि, एक लक्ष्य, एक परिणाम'' के सफलता सूत्र को लागू करता है, तो लक्ष्य को प्राप्त करना संभव होगा।

# सिंगापुर की आने वाले वर्षों में भारत में बड़ी राशि निवेश करने की योजना : गोयल

**नई दिल्ली/भाषा।** वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि सिंगापुर भारत में अबतक लगभग 150 अरब डॉलर (लगभग 12 लाख करोड़ रुपए) का निवेश कर चुका है और यह देश आने वाले वर्षों में उस राशि का संभवत: पांच गुना निवेश करने को तैयार है। गोयल ने यह भी कहा कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत भारत को अगले 15 साल में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता मिली है। उन्होंने यहां राज्यों के उद्योग मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ये निवेश राज्यों में आएंगे और उन्हें इसका लाभ उठाना है। गोयल ने कहा कि आज दुनिया भारत में निवेश करना चाहती है। हर कोई भारत आना चाहता है।

# जल्द भारतीयों के शरीर के हिसाब से परिधानों का माप लाएंगे : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार जल्द ही बहुप्रतीक्षित 'इंडियासाइज' पहल शुरू करेगी, जिसका उद्देश्य भारतीयों के शरीर के अनुरूप बेहतर ढंग से तैयार किए गए मानकीकृत माप स्थापित करना है।

वर्तमान में, भारत में उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय और घरेलू ब्रांड कपड़ों के लिए अमेरिका या ब्रिटेन के माप का उपयोग करते हैं, जिनमें 'छोटा', 'मध्यम' और 'बड़ा' आकार होते हैं।

हालांकि, पश्चिमी शरीर के प्रकार ऊंचाई, वजन या शरीर के अंगों के विशिष्ट माप के मामले में भारतीयों से भिन्न होते हैं, जिससे कभी-कभी फिटिंग की समस्या होती है। कपड़ा मंत्रालय ने भारतीय परिधान क्षेत्र के लिए मानक शरीर के आकार विकसित करने के लिए इंडियासाइज परियोजना को मंजूरी दी है ताकि उपलब्ध कराए गए 'फिट' में मौजूदा असमानताओं और विसंगतियों को दूर किया जा सके। सिंह ने विजनेक्स्ट की पेशकश के मौके पर संवाददाताओं से कहा, ''मैं इंडियासाइज़ पर प्रधानमंत्री से इसका उद्घाटन करवाने का प्रयास कर रहा हूँ, इसे जल्द ही पेश किया जाना चाहिए।''

विजनेक्स्ट भारत की पहली पहल है जो कृत्रिम मेधा (एआई) और इमोशनल इंटेलिजेंस (ईआई) को मिलाकर फैशन ट्रेंड की जानकारी और पूर्वानुमान तैयार करती है।

इसका मिशन भौगोलिक-विशिष्ट रुझानों की पहचान करना, उनका मानचित्र बनाना और उनका विश्लेषण करना है।

सिंह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने के अनुरूप यह विजनेक्स्ट पोर्टल शुरू किया गया है। पहले अमेरिका और यूरोप फैशन डिजाइन का पूर्वानुमान लगाते थे, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पहली बार कपड़ा मंत्रालय ने निफ्ट के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक पहल की शुरुआत की है।''

# टिकट बंटते ही पानी के बुलबुले की तरह फूटी भाजपा, कांग्रेस का भी होगा बुरा हाल : दुष्यंत चौटाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जींद/भाषा।** हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बृहस्पतिवार को कहा कि उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पानी के बुलबुले की तरह फूट गई है और चुनाव में उसका सफाया तय है।

जननायक जनता पार्टी (जजपा) के नेता ने बृहस्पतिवार को उचाना कलां से नामांकन पत्र भरने के बाद संवाददाताओं से यह बात कही। उन्होंने कहा कि टिकट के बंटवारे को लेकर कांग्रेस का भाजपा से भी बुरा हाल होगा। दुष्यंत चौटाला ने अपने नामांकन के दौरान विशाल रोड शो कर जननायक जनता पार्टी(जजपा) और आजाद समाज पार्टी (एएसपी) के गठबंधन की ताकत का प्रदर्शन भी किया। इस दौरान जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, विधायक नैना चौटाला, जजपा के प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला सहित बड़ी संख्या में जजपा और आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। दुष्यंत ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में उचाना कलां से ही बदलाव की लहर चली थी और उसमें युवा ताकत को मजबूती मिली। उन्होंने कहा, '' इस बार भी उचाना ने बदलाव की नींव रख दी है और हमारा इरादा है जीतेंगे उचाना, जीतेंगे हरियाणा।'' दुष्यंत ने कहा कि जजपा-एएसपी गठबंधन मिलकर प्रदेश को युवा नेतृत्व प्रदान करेगा और विधानसभा चुनाव के त्रिकोणीय मुकाबले में गठबंधन की युवा सरकार बनेगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा में टिकट बंटे 24 घंटे भी नहीं हुए हैं और इतने समय में ही रूझान आने शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के तीन मंत्री, दो प्रदेश अध्यक्ष, करीब 13 विधायक, अनेक जिला अध्यक्ष, सैकड़ों पदाधिकारी मैदान छोड़कर भाग गए हैं और यह तो अभी शुरुआत है।

## साइबर सुरक्षा एजेंसियों ने 'फिशिंग' धोखाधड़ी का पता लगाया

**नई दिल्ली/भाषा।** देश की साइबर सुरक्षा एजेंसियों ने उस 'फिशिंग' धोखाधड़ी का पता लगाया है जिसमें सरकारी दस्तावेजों से संवेदनशील जानकारियां ''चुराने'' और अधिकारियों के लॉग-इन सूचनाओं को हासिल करने के मकसद से रक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट से मिलती-जुलती एक फर्जी वेबसाइट बनाई गई। 'फिशिंग' एक प्रकार का साइबर हमला है जिसमें ईमेल, टेक्स्ट मैसेज, फोन कॉल और संचार के अन्य रूपों के माध्यम से व्यक्तियों को लक्षित किया जाता है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) द्वारा इस सप्ताह जारी एक परामर्श में दो 'फिशिंग लिंक' की पहचान की गई है।

इस परामर्श पत्र की प्रति 'पीटीआई' के पास है और इसमें कहा गया है कि दोनों यूआरएल का इस्तेमाल कर एक फर्जी ई-मेल के जरिए सरकारी अधिकारियों के एनआईसी द्वारा उपलब्ध कराए गए 'लॉग-इन क्रेडेंशियल्स' की मांग की गई, जिसके साथ एक फर्जी दस्तावेज भी संलग्न है।

# हिन्दू दक्षिणपंथी संगठनों ने शिमला में 'अवैध' मस्जिद को लेकर व्यापक स्तर पर विरोध-प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शिमला/भाषा।** हिंदू दक्षिणपंथी संगठनों ने बृहस्पतिवार को विधानसभा के पास चौड़ा मैदान में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया और संजौली में एक ''अवैध'' मस्जिद को गिराने की मांग की।

देव भूमि क्षेत्रीय संगठन के अध्यक्ष रुमित सिंह ठाकुर ने ''सनातनियों'' से शिमला में इकट्ठा होने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि राज्यभर के लोगों ने उनके आह्वान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और ''सनातन एकता'' का प्रदर्शन किया। मलाणा क्षेत्र में एक सितंबर को एक व्यवसायी पर कथित तौर पर मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने हमला कर दिया था जिसके परिणामस्वरूप बृहस्पतिवार को यह प्रदर्शन किया गया। घटना के तुरंत बाद, लोग संजौली के बाहर मलाणा क्षेत्र में इकट्ठा हुए और वहां एक मस्जिद को गिराने की मांग की।

ठाकुर ने आरोप लगाया कि बाहरी लोग बड़ी संख्या में हिमाचल प्रदेश में आ रहे हैं और उन्होंने सरकार से ऐसे लोगों की पहचान सत्यापित करने तथा उनके कारोबार को पंजीकृत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को उन्हें फोन किया और मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सुक्खू ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि राज्य के सभी निवासियों के समान अधिकार हैं और वह सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, ''शांतिपूर्ण विरोध से कोई दिक्कत नहीं, लेकिन किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।''

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि मस्जिद सरकारी जमीन पर बनी है और मामला पिछले 14 वर्षों से न्यायालय में विचाराधीन है।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि किसी भी अतिक्रमणकारी के खिलाफ कार्रवाई में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा, ''कोई भी कानून से ऊपर नहीं है और जो भी कार्रवाई की जाएगी, वह कानून के मापदंडों के तहत होगी, चाहे वह नगर निगम द्वारा की जाए या पुलिस द्वारा।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

# प्रधानमंत्री मोदी को महाराष्ट्र के प्रत्येक नागरिक से माफी मांगनी चाहिए : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**सांगली (महाराष्ट्र)/भाषा।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न केवल सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने की घटना के लिए बल्कि नोटबंदी, किसान विरोधी विधेयकों और जीएसटी के लिए भी माफी मांगनी चाहिए।

गांधी ने कहा कि मोदी को 17वीं सदी के महान योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज के उस अपमान के लिए महाराष्ट्र के प्रत्येक नागरिक से माफी मांगनी चाहिए, जब 26 अगस्त को राजकोट किले में उनकी प्रतिमा ढह गई थी।

कांग्रेस नेता गांधी पार्टी के दिवंगत नेता पतंगराव कदम की आदमकद प्रतिमा का अनावरण करने के बाद यहां एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने की घटना को लेकर राज्य की भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना-राकांपा सरकार की आलोचना होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के अपने दौरे के दौरान कहा था कि वह महान राजा, अपने देवता और उन

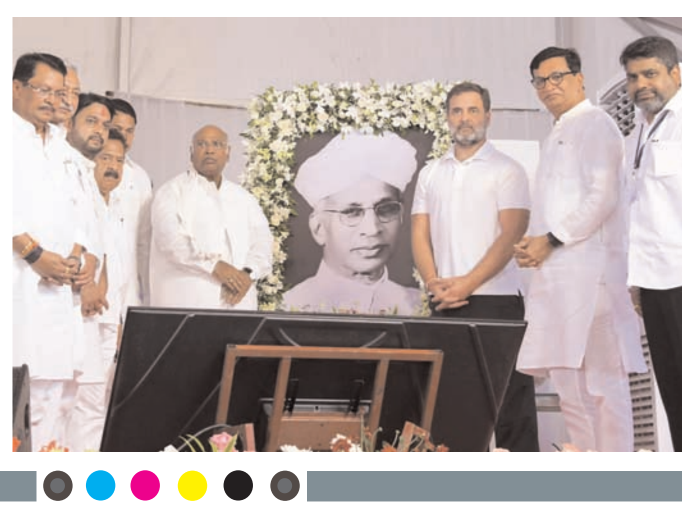

लोगों से माफी मांगते हैं जिनकी भावनाएं आहत हुई हैं।

गांधी ने कहा, मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने किस बात के लिए माफी मांगी है, क्या इसलिए कि शिवाजी की प्रतिमा बनाने का ठेका आरएसएस के एक ऐसे व्यक्ति को दिया गया जिसके पास कोई पात्रता नहीं थी या इस प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के लिए।

कांग्रेस नेता गांधी ने कहा कि मोदी को जवाब देना चाहिए कि सारे ठेके केवल अदाणी और अंबानी को ही क्यों दिए जाते हैं और वह केवल दो व्यक्तियों के लिए सरकार क्यों चला रहे हैं? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान विरोधी कानूनों के लिए माफी नहीं मांगी है, जिन्हें बाद में विरोध के कारण वापस ले लिया गया था। उन्होंने मांग की कि मोदी नोटबंदी और गलत माल एवं सेवा कर के लिए माफी मांगें।

गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी मणिपुर नहीं गए, जो गृहयुद्ध जैसी स्थिति का सामना कर रहा है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने खुद पूर्वोत्तर राज्य को आग में झोंक दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ''दो व्यक्तियों'' के लाभ के लिए छोटे और मध्यम व्यवसायों को खत्म किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अदाणी और अंबानी समूह रोजगार पैदा नहीं कर सकते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# रेणुकास्वामी की हत्या से पहले जान बख्श देने की गुहार लगाते हुए तस्वीर सामने आई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभिनेता दर्शन थुगुदीपा और अन्य के खिलाफ रेणुकास्वामी हत्याकांड में आरोप पत्र दायर करने के एक दिन बाद, बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक तस्वीर सामने आई है जिसमें पीड़ित अपनी जान बख्शने की मिन्नत करता दिख रहा है। पुलिस के अधिकारी ने कहा कि तस्वीर में रेणुकास्वामी ने कमीज़ नहीं पहनी हुई है और उसके चेहरे पर डर साफ झलक रहा है और यह तस्वीर उस आघात की कहानी बयां करती है जो उसे तब समय सहना पड़ा जब उसे यातनापूर्ण मौत दी गई।

उन्होंने बताया कि रेणुकास्वामी के शरीर पर चोटों के कई निशान देखे जा सकते हैं। अन्य

तस्वीर में पीड़ित को खड़े हुए ट्रक के पास ज़मीन पर पड़ा हुआ देखा जा सकता है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसे डंडों से पीटा गया, उसके गुप्तांगों में बिजली के झटके दिए गए तथा उसे दीवार पर पटका गया, जिससे उसकी कई हड्डियां टूट गईं। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को दायर आरोपपत्र में फोरेंसिक रिपोर्ट शामिल है, जिससे पुष्टि होती है कि दर्शन के कपड़ों पर रेणुकास्वामी के खून के धब्बे पाए गए थे।

दर्शन, उसकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और मामले में आरोपी 15 अन्य लोग वर्तमान में राज्य की विभिन्न जेलों में न्यायिक हिरासत में हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिनेता के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुकास्वामी ने पवित्रा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन गुस्सा हो गया और कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी गई। उसका शव नौ जून को एक नाले के पास मिला था।

## सरकार ने खुद माना मुडा साइट घोटाले में कानून का उल्लंघन : बोम्मई

मंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार ने मुडा घोटाले में शामिल अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और स्पष्ट रूप से कानून का उल्लंघन स्वीकार किया है। गुरुवार को दक्षिण कन्नड़-उडुप्पी विधान परिषद उपचुनाव के संबंध में पार्टी कार्यालय में बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से जुड़े मुडा-घोटाले से जुड़ा मामला कोर्ट में है। क्या होगा या क्या नहीं होगा, इसकी भविष्यवाणी करना उचित

नहीं है। कोर्ट फैसला करेगा। दोनों पक्षों में बहस जारी है। सरकार ने कानून का उल्लंघन स्वीकार करते हुए संबंधित अधिकारी को निलंबित कर दिया है। देखते हैं कोर्ट का अंतिम फैसला क्या होता है। भाजपा के कार्यकाल में हुए घोटालों की राज्य सरकार द्वारा जांच किए जाने के बारे में उन्होंने कहा, उन्हें हमारे कार्यकाल के मामले फिर से खोलने चाहिए, चाहे वे जो भी हों। हम उनका सामना करने के लिए तैयार हैं। कानून है, और अदालत है। चाहे मामले राजनीतिक प्रतिशोध से खोले गए हों या अन्यथा, हम उनका सामना करने के लिए तैयार हैं। देखते हैं क्या होता है।

### शिक्षकों का अनादर

हिजाब प्रतिबंध लागू करने वाली कुंदापुरा की प्रिंसिपल से बेस्ट प्रिंसिपल का पुरस्कार वापस लेने पर बोम्मई ने कहा, हिजाब विवाद के पीछे की ताकतें अभी भी सक्रिय हैं। राष्ट्रविरोधी तत्व अभी भी काम कर रहे हैं। उस समय प्रिंसिपल केवल अपना कर्तव्य निभा रहे थे, जिसे हाईकोर्ट ने भी सही माना है। मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसे में खुद चुने गए व्यक्ति से पुरस्कार वापस लेना सही नहीं है। यह शिक्षक समुदाय का अपमान है। कहीं न कहीं कुछ ताकतों और पक्षपातपूर्ण राजनीति की भूमिका रही है। वैश्विक बदलावों के बीच ये फैसले लिए गए हैं। मुख्यमंत्री को हस्तक्षेप कर पुरस्कार दिलवाना चाहिए, नहीं तो लोग उनके खिलाफ हो जाएंगे।

### विमोचन

गुरुवार को बेंगलूरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 8 क्रॉसवर्ड और 2 सुडोकू कन्नड़ पुस्तकों का विमोचन किया। क्रॉसवर्ड पुस्तक के लेखक एएन प्रहलाद राव द्वारा लिखी गई हैं। इस मौके पर आरडीपीआर और आईटी बीटी मंत्री प्रियांक खरगे, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, लेखक प्रहलाद राव उपस्थित थे।

# पीड़ित के पिता बोले- अभिनेता दर्शन और उनका गिरोह 'राक्षस' हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। रेणुकास्वामी की एक नई तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पीड़ित के माता-पिता ने जेल में बंद कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा और उसके साथियों को उनके बेटे को कथित तौर पर प्रताड़ित कर हत्या करने के लिए 'राक्षस' कहा। तस्वीर में रेणुकास्वामी ने कमीज़ नहीं पहनी हुई है और वह कथित रूप से हत्या किए जाने से पहले जान बख्शने की मिन्नत करता दिख रहा है। रेणुकास्वामी के शरीर पर चोटों के कई निशान देखे जा सकते हैं।

रेणुकास्वामी के पिता काशीनाथ एस शिवनगौडरू ने दावा किया कि इस घटनाक्रम का उनकी गर्भवती बहू पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। शिवनगौडरू ने कहा, जो तस्वीर वायरल हुई है, उसे देखने के बाद हम सकते में हैं। हमें नहीं पता कि क्या कहना है और कैसे प्रतिक्रिया देनी है। अब हम कल्पना कर सकते हैं कि उसे कितना कष्ट सहना पड़ा होगा और उसने उनसे कितनी विनती की होगी। उसे हद से ज्यादा प्रताड़ित किया गया था।

उन्होंने कहा कि वह अपनी बहू को सांत्वना देने में असमर्थ हैं। शिवनगौड़ ने कहा, मेरे बेटे ने दर्शन और उसके गिरोह के सदस्यों से अनुरोध किया कि उसकी एक मां और एक गर्भवती पत्नी है, लेकिन उन्होंने उसे माफ नहीं किया। वे सभी राक्षस थे। उनमें रंचमात्र भी मानवता नहीं थी। पीड़ित के पिता ने कहा कि दर्शन और उसके गिरोह के सदस्य पुलिस में शिकायत कर सकते थे। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को दायर आरोपपत्र में फोरेंसिक रिपोर्ट शामिल है, जिससे पुष्टि होती है कि दर्शन के कपड़ों पर रेणुकास्वामी के खून के धब्बे पाए गए थे।

# किसान, शिक्षक, सैनिक देश के निर्माता हैं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि किसान, शिक्षक और सैनिक देश के निर्माता हैं। वे गुरुवार को यहां विधानसौधा स्थित बैंक्वेट हॉल में स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शिक्षक दिवस एवं राज्य पुरस्कार समारोह का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर देश के दूसरे राष्ट्रपति राधाकृष्ण महान शिक्षक बन सकते हैं, तो इसका मतलब है कि सभी शिक्षकों में ऐसी ही संभावना है। इसलिए हर शिक्षक को राधाकृष्णन के बताए रास्ते पर चलने की कोशिश करनी चाहिए।

सिद्दरामय्या ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षक हर छात्र के व्यक्तित्व को आकार देकर देश के व्यक्तित्व को आकार देते हैं, जो उनकी मूल जिम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षण पेशे को चुनने वालों की सराहना करते हुए कहा, मुझे उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने इस पेशे को चुना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षकों को छात्रों को स्वतंत्र रूप से सोचना सिखाना चाहिए और समाज को समझने तथा उसकी समस्याओं को हल करने के लिए वैज्ञानिक सोच और तर्कसंगतता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान की पढ़ाई करने वाले छात्र भी घमंड और जातिगत भेदभाव में पड़ सकते हैं, जिससे उनकी शिक्षा निरर्थक हो जाती है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों में श्रेष्ठ व्यक्तित्व निर्माण तथा मानवीय जिम्मेदारी का भाव भरने में शिक्षकों की भूमिका की सराहना की। कर्म सिद्धांत को नकारते हुए मुख्यमंत्री ने 800 वर्ष पूर्व बसवदि शरण द्वारा कर्म सिद्धांत को नकारने का उदाहरण दिया।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वे शिक्षकों की समस्याओं का समाधान खोजने का ईमानदारी से प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने शिक्षक संघ के साथ बैठक की है और उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक रिजवान अरशद ने की। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगरप्पा, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू, विधायक, विधान परिषद सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी, व्याख्याता और शिक्षक संगठनों के सदस्य उपस्थित थे।

# रोजगार की दृष्टि से हिंदी शानदार विकल्प : डॉ. धीरज

## कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय में कार्यशाला का आयोजन हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय में आयोजित हिंदी माह-2024 के तहत 'हिंदी में रोजगार की संभावनाएं' विषयक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भगवान महावीर विश्वविद्यालय, जैन विश्वविद्यालय, दयानंद सागर महाविद्यालय, बेंगलूरु से तीन अध्यापकों सहित स्नातक के कुल 35 विद्यार्थी मौजूद थे। सी मादप्पा ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। कॉफ़ी बोर्ड के उप निदेशक (राजभाषा) डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के जरिए हिंदी में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे- प्रिंट/ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, अनुवाद, विज्ञापन तथा भारत सरकार के सभी विभागों/ मंत्रालयों एवं अधीनस्थ बैंक, बीमा, उपक्रम, विश्वविद्यालय आदि में राजभाषा से संबंधित पदों की भर्ती की चयन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंदी रोजगार की दृष्टि से एक शानदार विकल्प है।

श्री भगवान महावीर विवि की डीन डॉ. मैथिली पी ने हिंदी को बाजार एवं प्रौद्योगिकी के युग में संपन्न भाषा के रूप में रेखांकित किया। दयानंद सागर महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. हरिकृष्ण, जैन विवि की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुधा वी गदग ने विद्यार्थियों को हिंदी में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। शिक्षकगण को उपहार स्वरूप कॉफी भेंट की गई। पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम का संचालन उषा ने किया। अनुश्री पीएस ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# 'ऑटो राइड कैंसल' करने पर भड़के ऑटो रिक्शा चालक ने महिला से की बदसलूकी

**महिला ने लगाया फोन छीनने की कोशिश और थप्पड़ मारने का आरोप** ■ **ऐसी घटनाएं चिंताजनक, होनी चाहिए सख्त कार्रवाई**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक ओला ऑटो रिक्शा चालक द्वारा महिला से बदसलूकी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें चालक काफी आक्रामक मुद्रा में दिखाई दे रहा है। महिला ने आरोप लगाया कि उसने 'राइड कैंसल' कर दी थी, जिससे चालक भड़क गया और उसे थप्पड़ मारा। यही नहीं, चालक ने महिला को धमकाया और फोन छीनने की कोशिश की। जब महिला ने चालक को चेतावनी दी कि वह पुलिस के पास जाएगी तो उसने कहा, 'हां, चल।'

वायरल मीडिया में आक्रामक हावभाव दिखा रहे चालक से महिला पूछती है, 'आप चिल्ला क्यों रहे हैं?' इसके जवाब में चालक कहता है, 'तेरा बाप देता है क्या गैस?' महिला उससे कहती है, 'भैया, आपका ऑटो रिक्शा यहीं एक मिनट की दूरी पर था।' वह उससे निवेदन करती है, 'आप चिल्लाइए मत और गाली मत दीजिए मुझे, यह फालतू बात मत बोलिए मुझे।' उससे चालक पूछता है, 'और क्या करती है?' तो महिला कहती है, 'मैं पुलिस के पास जाऊंगी।' इसके जवाब में चालक कहता है, 'हां, जाओ। (महिला को रिक्शा से बाहर निकलने का संकेत करते हुए) चल, पुलिस के पास चल।' इसके बाद चालक काफी गुस्से में महिला की ओर बढ़ता है और उससे बदतमीजी भरे लहजे में बात करता है।

महिला उसे समझाने की कोशिश करती हुई पूछती है, 'तो क्या हो गया? क्या आप कभी राइड कैंसल नहीं करते?' इसके बाद चालक महिला को रिक्शा से बाहर निकलने के लिए कहता है। इसके जवाब में महिला कहती है, 'मैं अलग पुलिस स्टेशन जाऊंगी, मैं आपके साथ क्यों जाऊं?' इससे बुरी तरह भड़का चालक झपटते हुए उस महिला से मोबाइल फोन छीनने की कोशिश करता है। इस दौरान महिला जिस रिक्शे में बैठी थी, उसका चालक कुछ बीच-बचाव करता है। चालक की हरकत पर आपत्ति जताते हुए महिला पूछती है, 'आपने मुझे थप्पड़ क्यों मारा?' इसके बावजूद चालक हंगामा करता रहता है। महिला उससे पूछती है, 'क्या यह जरूरी है कि हमें पहले जहां

जाना था, वहीं जाएं? हम (गंतव्य में) बदलाव भी तो कर सकते हैं?' इतनी अभद्रता के बावजूद चालक को कोई पछतावा नहीं हुआ। वह हंगामा करते हुए वहां से चला गया।

घटना का वीडियो महिला ने अपने 'एक्स' अकाउंट (नीति) पर पोस्ट करते हुए ओला कैब्स और बेंगलूरु शहर पुलिस से शिकायत की। पोस्ट में कहा, 'कल (बुधवार) मुझे बेंगलूरु में एक सामान्य राइड कैंसल करने के बाद आपके ऑटो चालक द्वारा गंभीर उत्पीड़न का सामना करना पड़ा और (मुझ पर) शारीरिक रूप से हमला किया गया। रिपोर्ट करने के बावजूद, आपका कस्टमर सपोर्ट को जवाब नहीं दे रहा है। इस संबंध में तत्काल कार्रवाई की जरूरत है।'

इस पर बेंगलूरु शहर पुलिस ने जवाब देते हुए कहा, 'कृपया डीएम के माध्यम से उस क्षेत्र का विवरण और अपना संपर्क नंबर दीजिए।' कर्नाटक के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात एवं सुरक्षा, आलोक कुमार ने भी एक्स पर कहा, 'इस तरह का व्यवहार अस्वीकार्य है। इसके जैसे कुछ लोग ऑटो चालकों के समुदाय को बदनाम करते हैं। मैंने संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने के लिए सूचित कर दिया है।'

महिला ने बताया, 'बेंगलूरु में मेरी दोस्त और मैंने पीक ऑवर्स के कारण ओला पर दो ऑटो बुक किए थे। मैं पहले पहुंच गई, इसलिए उसने अपना ऑटो कैंसल कर दिया। दूसरा ऑटो चालक गुस्से में हमारे पीछे आ गया। स्थिति को समझाने के बावजूद, उसने चिल्लाना और गालियां देना शुरू कर दिया। ... बात तब और बढ़ गई, जब उसने मेरा फोन छीनने की कोशिश की। मैंने विरोध किया और उसने मेरे ऑटो चालक के सामने मुझे थप्पड़ मारा, जिसने कुछ नहीं किया और आस-पास खड़े लोग भी चुप रहे। इसके बावजूद, उसने अपनी धमकियां जारी रखीं और कहा कि वह मुझे चप्पलों से भी पीटेगा।'

महिला ने कहा, 'शुक्र है कि मेरा चालक हमें वहां से निकालने में कामयाब रहा, लेकिन ओला की प्रतिक्रिया निराशाजनक रही। ऐप के ज़रिए घटना की रिपोर्ट करने के बाद हमें केवल एक स्वचालित उत्तर मिला। उनकी सहायता लाइन तक पहुंचने के प्रयास विफल रहे, जिससे हम निराश और असहाय हो गए। ... मैंने बेंगलूरु में कभी इतना असुरक्षित महसूस नहीं किया। ओला को तुरंत और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। मैं सबूत के तौर पर वीडियो और राइड की रसीद संलग्न करूंगी। अगर ज़रूरत पड़ी तो गवाह के तौर पर मेरे पास अपने ऑटो ड्राइवर का नंबर भी है।'

डीसीपी पश्चिम बेंगलूरु ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर बताया कि ऑटो चालक को मागड़ी रोड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बेंगलूरु में गुरुवार को सामाजिक कार्यकर्ता विजयम्मा, अभिनेता चेतन, श्रुति हरिहरन और अन्य लोगों ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात की और राज्य में न्यायमूर्ति हेमा समिति जैसी समिति बनाने का अनुरोध किया।

## हम कन्नड़ फिल्म उद्योग में भी बदलाव लाने के लिए हेमा समिति जैसे पैनल का गठन चाहते हैंः फायर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कन्नड़ फिल्म उद्योग में यौन एवं अन्य दुर्व्यवहारों की जांच के लिए न्यायमूर्ति हेमा समिति के समान ही एक समिति गठित करने को लेकर कर्नाटक सरकार पर दबाव बना रहे संगठन ''फिल्म इंडस्ट्री फॉर राइट्स एंड इक्वालिटी (फायर)'' के संस्थापक अभिनेता चेतन कुमार अहिंसा ने कहा कि 2018 की तुलना में इस बार थोड़ा अलग महसूस हो रहा है। अहिंसा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, एक बात यह है कि मीडिया में बहुत अधिक संवेदनशीलता है और जनता से व्यापक समर्थन मिल रहा है। इसने सत्ता के मौजूदा ढांचे पर अधिक दबाव डाला है। जरा देखिए, वे सभी लोग जो पिछली बार नाराज़ थे, वे इस बार चुप हैं। इसलिए, हां, हम इस मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समान प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

अहिंसा और फायर के कुछ अन्य प्रतिनिधियों ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात की। इन प्रतिनिधियों में 'मी-टू' लहर के दौरान कन्नड़ फिल्म उद्योग में सबसे मुखर आवाजों में से एक रहीं अभिनेत्री श्रुति हरिहरन भी शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपकर आग्रह किया कि वह केरल फिल्म उद्योग में बदलाव लाने वाली समिति के समान ही एक समिति का गठन करे। इस बीच, पत्रकारों को संबोधित करते हुए सिद्दरामय्या ने स्वीकार किया कि उन्हें फिल्म उद्योग से ज्ञापन मिले हैं, जिसमें उनसे एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में समिति बनाने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा, हम उनकी मांगों की समीक्षा करेंगे।

### अवसर की खोज

आर.वी.-स्किल्स के सीईओ बी असवराज नागराजू और आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की उप-प्राचार्य डॉ. गीता, ताइवान की अपनी यात्रा के दौरान औद्योगिक प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (आईटीआरआई) टीम के साथ चित्रित हैं, जो ताइवान में सेमीकंडक्टर और अन्य उभरती प्रौद्योगिकी कंपनियों से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आरवी कॉलेज के छात्रों के लिए अवसरों की खोज कर रहे हैं।

## केआईएडीबी मुआवजा 'धोखाधड़ी' मामले में ईडी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने 72 करोड़ रुपये के मुआवजे के कथित फर्जी वितरण से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के एक सेवानिवृत्त अधिकारी और एक दलाल को गिरफ्तार किया है।

ईडी ने एक बयान में कहा कि केआईएडीबी के सेवानिवृत्त विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी वसंतकुमार दुर्गप्पा सज्जन और मैबूब अल्लाबुक्श दुंदासी को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मंगलवार को हिरासत में लिया गया। केआईएडीबी कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण के लिए नोडल एजेंसी है।

धनशोधन का यह मामला धारवाड़ जिला सीआईडी द्वारा दर्ज प्राथमिकी और आरोपपत्र से उत्पन्न हुआ है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सज्जन और केआईएडीबी, धारवाड़ के कुछ अन्य अधिकारियों ने भूमि दलालों और कुछ अन्य आरोपियों के साथ ''षड्यंत्र'' रचा और भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजे के नाम पर सात व्यक्तियों को 19.99 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की। संघीय एजेंसी ने कहा, हालांकि, इन व्यक्तियों को पहले भी मुआवजा दिया जा चुका है।

इससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ है। एजेंसी ने दावा किया कि यह पाया गया कि धोखाधड़ी से निकाली गई धनराशि फर्जी पहचान और पते के प्रमाण के साथ खोले गए बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी गई थी। ईडी ने कहा, ये भुगतान फर्जी पहचान के साथ खोले गए बैंक खातों में किए गए और फिर फर्जी खातों के माध्यम से धन शोधन किया गया। इस धन का इस्तेमाल अचल संपत्ति, वाहन, आवासीय संपत्ति और सावधि जमा हासिल करने के लिए किया गया।

ईडी ने कहा, ये भुगतान फर्जी पहचान के साथ खोले गए बैंक खातों में किए गए और फिर फर्जी खातों के माध्यम से धनशोधन किया गया। इस धनराशि का इस्तेमाल अचल संपत्ति, वाहन, आवासीय संपत्ति और सावधि जमा हासिल करने के लिए किया गया। एजेंसी द्वारा पिछले महीने कर्नाटक में 12 स्थानों पर इस मामले में छापेमारी की गई थी।

# दो बसें आपस में टकराईं; दो छात्रों की मौत, 20 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायचूर। कर्नाटक के रायचूर में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो छात्रों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। घायल छात्रों में तीन के पैर कट गये हैं। हादसा सुबह 9:30 से 10 बजे के बीच एक स्कूल बस के कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की एक बस से टकराने से हुई। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना केएसआरटीसी बस चालक की लापरवाही के कारण हुई है। उसकी रफ्तार बहुत तेज थी। हादसे के वक्त स्कूल बस में कुल 40 छात्र सवार थे। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

इस हादसे में दो छात्रों की मौत हो गई, टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन छात्रों के पैर कट गए और अन्य छात्रों को मामूली चोटें आई हैं। घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि सभी घायल बच्चे सुरक्षित हैं और उनकी हालत स्थिर है। हादसे के बाद की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें स्कूल बस की हालत देखकर दिल दहल जाता है। तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि स्कूल बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। तस्वीरें देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि हादसा कितना भयानक था। हादसे की खबर मिलते ही बच्चों के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गये। उन्होंने बस के शीशे तोड़कर फंसे हुए बच्चों को बाहर निकाला। तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। सभी बच्चों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं।

स्कूल बस में टक्कर मारने के बाद सरकारी बस का ड्राइवर और कंडक्टर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इससे पहले, जून में हावेरी जिले में एक मिनी बस खड़े ट्रक से टकरा गई थी। उस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वाले सभी लोग शिवमोग्गा के रहने वाले थे और देवी यल्लम्मा के दर्शन के बाद सवादत्ती से लौट रहे थे। इस हादसे को लेकर पुलिस ने दावा किया था कि ड्राइवर को नींद आ गई थी, जिससे यह हादसा हुआ। घटना के बाद आरोपी ड्राइवर फरार हो गया था।

## जोधपुर व बाड़मेर सहित अनेक जिलों में भारी बारिश

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान में बीते चौबीस घंटे में जोधपुर तथा बाड़मेर सहित अनेक जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अभी और बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बृहस्पतिवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक, बीते 24 घंटों में राज्य में अनेक स्थानों पर बादलों की गरज के साथ वर्षा हुई। इस दौरान जयपुर, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, करौली, भीलवाड़ा, टोंक, जोधपुर व बाड़मेर जिले में कहीं कहीं भारी वर्षा तथा बूंदी जिले में कहीं कहीं अतिभारी वर्षा दर्ज की गई है। सबसे अधिक 141 मिलीमीटर बारिश बूंदी के नैनवां में हुई। भीलवाड़ा के आसींद में 102 मिमी., करौली के कुडगांव में 101 मिमी., जोधपुर में 90.6 मिमी., टोंक के दूनी में 86 मिमी. व जयपुर के आंधी में 80 मिमी. बारिश हुई जो भारी श्रेणी में आती है। राज्य में और भी जगहों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पूर्वी राजस्थान के अधिकतर भागों में आगामी 3-4 दिन मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी बारिश जारी रहने की प्रबल संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी 2-3 दिन मेघ गर्जन के साथ मध्यम से तेज बारिश तथा जोधपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

## गंगानगर जिले में सड़क हादसे में छह युवकों की मौत

जयपुर। राजस्थान के गंगानगर जिले में बुधवार देर रात एक कार ने दो बाइकों को टक्कर मार दी जिससे छह युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बिजयनगर के थानाधिकारी गोविंद राम ने बताया कि बुधवार देर रात यह हादसा सूरतगढ़-अनूपगढ़ राज्य राजमार्ग पर हुआ। तेज गति से जा रही एक कार ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। बाइकों पर सवार युवक जागरण समारोह से लौट रहे थे। उन्होंने बताया, दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई है। तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि कार चालक कार को छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। मृतकों की पहचान ताराचंद (20), मनीष (24), सुनील कुमार (20), राहुल (20), शुभकरण (19) और बलराम (20) के रूप में हुई है।

## वरिष्ठ कांग्रेस जन सम्मान समारोह में फूंका द्रौपदी कोली का पुतला

अजमेर/दक्षिण भारत। राजस्थान में अजमेर नगर निगम प्रतिपक्ष नेता तथा अजमेर दक्षिण प्रत्याशी डॉ द्रौपदी कोली की ओर से भजनगंज क्षेत्र में आयोजित 'वरिष्ठ कांग्रेस जन सम्मान समारोह' हंगामे की भेंट उस समय चढ़ गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने 'हिन्दुत्व के खतरे' का आरोप लगाते द्रौपदी देवी का मौके पर ही पुतला भी फूंक दिया। इस दौरान कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गये , जिससे तनाव बन गया। बाद में पुलिस के दखल से मामला शांत कराया गया। अजमेर में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में वर्षों पुराने विश्वनाथ मंदिर परिसर में बने सामुदायिक भवन का भी लोकार्पण द्रोपदी कोली की ओर से रखा गया। इसकी भनक लगते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा खड़ा कर दिया। भाजपा के प्रशांत यादव ने आरोप लगाया कि निगम के धन से बने सामुदायिक भवन में अब असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि आये दिन होने वाली पार्टियों में शराब का सेवन एवं असामाजिक कृत्य होंगे। जिससे हिन्दुओं की भावनायें आहत होंगी और सनातन धर्म को खतरा उत्पन्न होगा। इन लोगों ने द्रौपदी देवी का पूतला फूंक कर विरोध दर्ज कराया , जबकि कांग्रेस के डॉ ईश्वर राजोरिया ने कहा कि भाजपा के लोग हंगामा किस बात के लिये कर रहे हैं। समझ से परे है। वरिष्ठ कांग्रेस जनों के सम्मान समारोह में भाजपा कार्यकर्ता 'गुण्डागर्दी' पर उतर आये, यह शोभाजनक नहीं है।

# गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं, वे नव पीढ़ी में चरित्र-निर्माण की मजबूत नींव डाल कर सक्षम नागरिक रूपी भवन का निर्माण कर रहे हैं। उनकी शिक्षा-ज्ञान से ही मनुष्य विचारशील और करुणा व सहानुभूति के भाव से समृद्ध होता है और एक प्रगतिशील व समावेशी समाज बनाता है। शर्मा गुरूवार को बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान सर्वोपरि रहा है। शिक्षक प्रतिबद्धता और परिश्रम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं और समर्पण एवं निष्ठा से विद्यार्थियों के जीवन को समृद्ध बनाते हैं। इसलिए विद्यालय केवल अच्छे भवन, महंगे उपकरण या सुविधाओं से नहीं बल्कि शिक्षकों के अमूल्य ज्ञान से बनता है।

समारोह में मुख्यमंत्री शर्मा अपने शिक्षक शंकरलाल शर्मा को देखकर भावुक हो गए। वे मंच से उतरे, गुरु के चरण स्पर्श किए, उन्हें अपने निकट बैठाया एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक अपने शिष्यों की सफलता के लिए अथक परिश्रम करते हैं। वे एक कुम्हार की तरह होते हैं जो मिट्टी को अपने अनुभव से गूंथता है और एक सुंदर प्रतिमा बनाता है। उनके समर्पण का कोई मोल नहीं है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने बाल्यकाल में शिक्षा प्राप्त करने के अनुभव भी मंच से साझा किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उनके असाधारण व्यक्तित्व एवं शिक्षा में उनके अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य संबंध की समृद्ध परंपरा को पुनर्जीवित करने के क्रम में राज्य सरकार विश्वविद्यालय के कुलपतियों को कुलगुरु की पदवी से नवाजे जाने की परंपरा शुरू करने जा रही है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गांव से लेकर शहर तक शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं-कार्यक्रमों पर निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने राजकीय विद्यालयों में कक्षा-कक्ष, लैब, पुस्तकालय, शौचालयों के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये और 750 स्कूलों की बिल्डिंग की मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। साथ ही, हम स्कूल और कॉलेज में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम के माध्यम से 1 लाख विद्यार्थियों को लाभान्वित कर रहे हैं। आगामी दो वर्षों में राज्य सरकार 20 आईटीआई और 10 पॉलिटेक्निक कॉलेज भी खोलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में परंपरागत शिक्षण पद्धतियों के साथ-साथ नवाचारों के लिये भी राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में स्कूलों, कॉलेजों में स्टेट स्किल पॉलिसी, अटल एन्टरप्रन्योरशिप प्रोग्राम, अटल इनोवेशन स्टूडियो और एक्सेलरेटर, लर्न, अर्न एण्ड प्रोग्रेस (लीप) प्रोग्राम, डिजिटल प्रवेशोत्सव इत्यादि के माध्यम से लाखों विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 70 हजार विद्यालयों के 80 लाख विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण सर्वे भी करवाया गया है। इसमें चिन्हित विद्यार्थियों को स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के अंतर्गत उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा प्रतिभाशाली हैं। उनमें प्रदेश के शिक्षा के ढांचे को और उन्नत करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के योगदान से प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में शीघ्र ही सिरमौर बनेगा। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि जहां भी आवश्यकता होगी वहां विद्यालयों का क्रमोन्नयन होगा और नए विषय भी प्रारंभ होंगे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रदेशभर में शिक्षकों द्वारा बेहतरीन काम किया जा रहा है। इस शैक्षिक वर्ष में विद्यार्थियों के अच्छे परीक्षा परिणाम भी आए हैं। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत प्रदेशभर में 7 करोड़ वृक्षारोपण के लक्ष्य के क्रम में शिक्षा विभाग ने अकेले ही 2 करोड़ 50 लाख का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि गत 5 जुलाई को राज्यभर में 3 करोड़ 58 लाख पुस्तकें विद्यार्थियों को दी जा चुकी हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने 11 मेधावी विद्यार्थियों को निःशुल्क टैबलेट वितरित किए और शिक्षक सम्मान पुस्तिका एवं शिविरा का विमोचन भी किया। साथ ही, प्रदेशभर में 55 हजार 800 विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा शाला स्वास्थ्य परीक्षण संबंधी शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

## चिकित्सा के ढांचे को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : खींवसर

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा है कि गांव-ढाणी तक चिकित्सा के ढांचे को मजबूत बनाने के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। खींवसर ने जोधपुर संभाग में गुरूवार को एसएन मेडिकल कॉलेज में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग प्रयास कर रहा है कि स्वास्थ्य सुविधाओं के उन्नयन को लेकर हर स्तर पर आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान हो। बजट एवं अन्य घोषणाएं समय पर पूरी हों। उन्होंने मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा करते हुये अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस बार मानसून में बारिश की अधिकता से कई स्थानों पर जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में संचालित स्वास्थ्य बीमा योजना को व्यापक रूप देते हुये मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के रूप में प्रारम्भ किया गया है। जल्द ही इस योजना में पीडियाटिक पैकेज एवं पोर्टेबिलिटी की सुविधा भी प्रारम्भ हो जायेगी। चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये चिकित्सा मंत्री ने निर्देश दिये कि अस्पताल परिसर में संवेदनशील स्थानों पर उच्च क्षमता के सीसीटीवी कैमरे आवश्यक रूप से लगाएं। अस्पताल में पर्याप्त संख्या में सुरक्षा गार्ड नियोजित किये जायें।

## दीया कुमारी ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का किया अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाहपुरा, 05 सितंबर (वार्ता) राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने गुरुवार को शाहपुरा ज़िले की कोटड़ी तहसील के बीरधोल गांव में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा के अनावरण किया। श्रीमती दीया कुमारी ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा के अनावरण के साथ ही बीरधोल में बोरड़ा से बीरधोल चौराहे तक 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सड़क और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीरधोल में निर्मित हॉल का लोकार्पण भी किया। उन्होंने प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की यह भव्य प्रतिमा हमारे स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान के प्रतीक महाराणा प्रताप की वीरता की अनमोल धरोहर है जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के तहत महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित प्रत्येक स्थान पर उनकी भव्य प्रतिमाएं निर्मित की जाएगी एवं सभी स्थानों को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। श्रीमती दीया कुमारी ने आमजन को अपनी समस्याओं के अतिशीघ्र समाधान के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों के संपूर्ण सहयोग के लिए आश्वस्थ किया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का उद्देश्य आमजन के जीवन स्तर को और भी सुगम बनाना है तथा विभिन्न जन काल्यणकारी योजनाओं के माध्यम से सरकार की मंशा के अनुसार अधिकाधिक आमजन का हित भी प्रबलता से सुनिश्चित हो रहा है। उन्होंने आगामी पीढ़ी को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के संघर्षरत जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में देश के लिए कुछ करने का संदेश भी दिया। इससे पहले उन्होंने जहाजपुर स्थित स्वस्ति धाम पहुंचकर भूगर्भ से प्रकटित मुनि सुव्रतनाथ स्वामी के दर्शन किए और अर्गहनमति माता स्वस्ति भूषण माता के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद श्रीमती दीया कुमारी ने 'शिक्षक दिवस' पर शिक्षकों को सम्मानित भी किया।

## राइजिंग राजस्थान सम्मिट से प्रदेश बनेगा निवेश का हब : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में उद्योग के लिए अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार उद्योगपतियों के लिए निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करने तथा हर सेक्टर में निवेश को आकर्षित करने के लिए दूरदर्शिता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य को आर्थिक विकास और निवेश के हब के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा गुरूवार को जयपुर में आयोजित दो दिवसीय बिजनेस समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस समिट के आयोजन से विचारों का आदान-प्रदान कर अवसरों की पहचान की जाएगी तथा नई-नई साझेदारियां बनाई जाएंगी। उन्होंने आशा जताई कि इस दो दिवसीय सम्मिट से प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए सकारात्मक सुझाव प्राप्त होंगे जिस पर अमल कर राजस्थान देश के अग्रणी प्रदेशों में शुमार हो सकेगा तथा 2047 तक विकसित भारत-विकसित राजस्थान के विजन को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में एक फिल्म निर्माता ने राजस्थान में फिल्मसिटी की जरूरत के बारे में बताया तो सरकार द्वारा चार घंटों में ही जमीन चिन्हित कर उसके आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई। हमारी सरकार महीनों और दिनों में नहीं घंटों में राज्य के विकास के लिए निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के उद्यमियों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू कर ज्वाइंट वेंचर बनाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि हमारी सरकार केवल एमओयू साइन करने में ही नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने में विश्वास रखती है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निवेशकों को लाभदायक माहौल देने के लिए लगातार नई नीतियां बनाई जा रही हैं। राजस्थान औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन योजना, निर्यात प्रोत्साहन योजना, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउस नीति, डेटा सेंटर नीति और एमएसएमई नीति इसी दिशा में हमारे ठोस प्रयासों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी से औद्योगिक विकास को गति मिलती है। पीपीपी मॉडल से बड़ी औद्योगिक परियोजना एवं सुदृढ आधारभूत ढांचे के विजन को पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि राज निवेश पोर्टल के माध्यम से अब कोई भी निवेशक दुनिया के किसी कोने से प्रदेश में निवेश के लिए आवेदन कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा राज्य है तथा आर्थिक दृष्टि से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राज्य में सोना, लौह अयस्क, कच्चा तेल, प्राकृतिक स्टोन, यूरेनियम और लिथियम जैसे खनिज संसाधन उपलब्ध हैं। साथ ही, राजस्थान मसालों, सुगंधित फसलों एवं मोटे अनाज के उत्पादन में अग्रणी हैं। अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों से उद्योगपतियों के लिए यहां निवेश करना फायदेमंद साबित होगा।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में निवेशकों को अनुकूल वातावरण देने के लिए 9 से 11 दिसम्बर तक 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट 2024 का आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा आयोजन को सफल बनाने और दुनिया भर के उद्यमियों को इससे जोड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर रोड शो और इन्वेस्टर मीटिंग का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इसी सिलसिले में मुंबई में आयोजित पहले इन्वेस्टर मीट में निवेशकों का अपार उत्साह देखने को मिला और इसमें 4.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

# जैसलमेर में रामदेवरा मेला शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। लोकदेवता बाबा रामदेव की समाधि पर 640वां अंतरप्रांतीय भादवा मेला गुरुवार तड़के अभिषेक व आरती के साथ शुरु हो गया। मेले के शुभारंभ के अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में राव भोम सिंह तंवर, पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, जिला कलेक्टर प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, जिला न्यायाधीश पुरणमल शर्मा और अन्य प्रमुख लोगों ने बाबा रामदेव की समाधि पर पंचामृत से अभिषेक किया और चादर चढ़ाई। इसके बाद भोग अर्पित कर मंगला आरती की गई। इस दौरान बाबा से देश में खुशहाली की कामना की गई।

उल्लेखनीय है कि रामदेवरा गांव में बाबा रामदेव की समाधि पर प्रतिवर्ष भादवा माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया से एकादशी तक मेले का आयोजन किया जाता है। इस मेले में देश के कोने-कोने से करीब 30 से 40 लाख तक श्रद्धालु पहुंचते हैं और बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन करते हैं। बीते एक माह से रामदेवरा में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है और प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार अब तक 15 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

जैसलमेर के पोकरण उपखंड मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर उत्तर की तरफ विख्यात गांव रामदेवरा स्थित है। जिसका दूसरा नाम रुणीचा भी है। यहां अछूतोद्धारक, साम्प्रदायिक एकता के प्रतीक मध्यकालीन लोक देवता बाबा रामदेव की समाधि पर मंदिर बना हुआ है। अंतरप्रांतीय मेले में राजस्थान सहित गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा एवं दिल्ली आदि प्रांतों से लाखों यात्री पैदल, मोटरसाइकिल, साइकिल, बस रेल एवं अन्य साधनों से यहां आकर बाबा की समाधि के दर्शन करते हैं और अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए श्रद्धा सहित आराधना करते हैं। लोकदेवता बाबा रामदेव को यूं तो देशभर में पूजा जाता है। विशेष रूप से राजस्थान के मारवाड़, मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी, ढूंढाड़, उत्तरी राजस्थान के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली सहित अन्य स्थानों से प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु यहां बाबा की समाधि के दर्शन के लिए आते हैं।

आज से करीब 680 वर्ष पूर्व विक्रम संवत 1402 में बाबा रामदेव का अवतार बाड़मेर जिले के उण्डु काश्मीर में उस समय के राजा अजमलसिंह तंवर के घर हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार बाबा रामदेव का जन्म भादवा माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को हुआ, लेकिन तंवर समाज के भाटों के अनुसार बाबा रामदेव का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी को बताया जाता है। बाबा रामदेव ने अपने 40 वर्ष के जीवन में छुआछूत, ऊंच-नीच, भेदभाव जैसी कुरीतियों को मिटाने के लिए कार्य किया। बाबा के अनन्य भक्तों में हरजी भाटी और दलित समाज की डालीबाई के नाम प्रमुख है। विक्रम संवत 1442 में भादवा माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन बाबा रामदेव ने 40 वर्ष की उम्र में रामदेवरा में समाधि ली।

अब मेले में 30 से 40 लाख श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पूर्व में भादवा माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया से एकादशी तक मेला आयोजित होता था और श्रद्धालु दर्शनों के लिए यहां आते थे। अब श्रावण माह के शुक्ल पक्ष में श्रद्धालुओं की भीड़ शुरू हो जाती है, जो भादवा माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तक जारी रहती है। ऐसे में डेढ़ माह में लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचकर बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन करते हैं।

## मोदी 3.0 गठबंधन सरकार पूरी तरह सुरक्षित, इसे बाहर या अंदर से कोई खतरा नहीं : केसी त्यागी

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अहम सहयोगी दल जद (यू) के नेता के. सी. त्यागी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गठबंधन सरकार पूरी तरह सुरक्षित है और यह आसानी से अपना कार्यकाल पूरा करेगी तथा उसे विपक्ष या सहयोगियों से कोई खतरा नहीं है।

जनता दल (यूनाइटेड) के प्रवक्ता पद से इस्तीफा देने के कुछ दिनों बाद त्यागी ने 'पीटीआई' के संपादकों के साथ बातचीत में कहा कि उनका रुख हमेशा पार्टी की विचारधारा के अनुरूप रहा। इसके साथ ही उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूरा भरोसा जताया। राजनीतिक टिप्पणीकारों के अनुसार, पार्टी प्रवक्ता पद से उनका इस्तीफा विभिन्न मुद्दों पर उनके स्पष्ट बयानों का परिणाम था, जिनसे सरकार को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता था।

त्यागी ने इस बात को खारिज कर दिया कि इजराइल-हमास युद्ध और वरिष्ठ सरकारी पदों पर 'लेटरल एंट्री' जैसे मुद्दों पर उनके बयानों से उनकी पार्टी के कई सहयोगी असहज थे। उन्होंने कहा कि उनके लिए जद (यू) का मतलब नीतीश कुमार हैं जो पार्टी के अध्यक्ष भी हैं। पांच दशक से अधिक समय से समाजवादी राजनीति में सक्रिय त्यागी ने कहा, ''मैं जद (यू) में केवल नीतीश कुमार के लिए हूं। वह मेरे मित्र और नेता हैं। (सिर्फ) उनकी चिंताएं मेरे लिए मायने रखती हैं।'' उन्होंने कहा कि वह जद (यू) कभी नहीं छोड़ेंगे और कुमार को छोड़ना उनके स्वभाव में नहीं है। त्यागी हालांकि नीतीश कुमार (73) के नेतृत्व से आगे पार्टी के भविष्य को लेकर सतर्क दिखे।

## फिलहाल तो बिहार में प्रशांत किशोर का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं : जद (यू)

**नई दिल्ली/भाषा।** जनता दल (यूनाईटेड) ने जन सुराज अभियान के संस्थापक प्रशांत किशोर के बिहार के संदर्भ में किए जा रहे दावों को 'बचकाना' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि फिलहाल तो राज्य की राजनीति में उनका कोई भविष्य नहीं है। वरिष्ठ नेता केसी त्यागी के स्थान पर बिहार की सत्तारूढ़ पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किए जाने के बाद पहली बार दिल्ली पहुंचे राजीव रंजन प्रसाद ने 'भाषा' से बातचीत में यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में मतभेदों को लेकर भले ही तमाम तरह की अटकलें लगाई जाएं लेकिन 'विकसित भारत और विकसित बिहार' के संकल्प के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह 'अत्यंत विश्वसनीय और सुदृढ़' गठबंधन है। उन्होंने कहा, ''हमारा गठबंधन देश और बिहार के हित में है। विकसित बिहार की उम्मीद नीतीश कुमार की अगुवाई में ही संभव है। इस बार के बजट में जो प्रावधान हैं, उनसे इस उम्मीद को ताकत मिली है।'' उन्होंने कहा कि विभिन्न मुद्दों पर राजग के घटक दलों में 'छोटी-मोटी असहमतियां' स्वाभाविक हैं लेकिन ये टकराव का कारण नहीं बनेंगी और मिल-बैठकर इनका भी समाधान निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग गठबंधन अत्यंत विश्वसनीय और सुदृढ़ है।''

## ओडिशा : तीन लाख आदिवासी छात्रों को मिलेगी पांच हजार रुपए की वित्तीय सहायता

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा सरकार ने राज्य के लगभग तीन लाख आदिवासी विद्यार्थियों को उनकी पढ़ाई के लिए पांच हजार रुपए की वार्षिक वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में यह घोषणा की। मुकेश महालिंग ने कहा कि 8वीं/10वीं कक्षा उत्तीर्ण कर 9वीं/11वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक आदिवासी विद्यार्थी को प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रतिवर्ष 5,000 रुपए प्रदान किए जाएंगे। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में बुधवार रात हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। मंत्री ने कहा कि 'माधो सिंह हाथ खर्च योजना' नामक इस नई योजना के तहत प्रत्येक आदिवासी विद्यार्थी को पांच हजार रुपए मिलेंगे। मंत्री ने विधानसभा को बताया कि इस योजना से राज्य में आदिवासी विद्यार्थियों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। महालिंग ने कहा कि माधो सिंह हाथ खर्च योजना के तहत अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लगभग तीन लाख विद्यार्थी लाभान्वित होंगे, जिसके लिए राज्य सरकार ने इस वर्ष बजट में 156 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह योजना इसी वर्ष से लागू की जाएगी।

## बिहार में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए 74,540 लाभार्थियों को 2,900 करोड़ रुपए दिए गए

**पटना/भाषा।** बिहार सरकार ने 50,530 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के बाद अब राज्य में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने लिए लगभग 74,540 लाभार्थियों के बीच करीब 2,900 करोड़ रुपए वितरित किए हैं। इससे राज्य की समग्र आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

उद्योग विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि राज्य में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए दो योजनाओं के तहत लगभग 74,540 लाभार्थियों के बीच करीब 2,900 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। इनमें से एक योजना पिछले साल ही शुरू की गई थी।

सचिव ने कहा, बिहार में एमएसएमई का एक मजबूत आधार है। इसे बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सरकार द्वारा क्रमशः वर्ष 2018 और 2023 में मुख्यमंत्री उद्यमी योजना (एमएमयूवाई) और बिहार लघु उद्यमी योजना (बीएलयूवाई) शुरू की गईं। एमएमयूवाई के तहत 2018 से अबतक 34,441 लाभार्थियों को कुल 2,697 करोड़ रुपए वितरित किए गए। इसी तरह, अबतक बीएलयूवाई के तहत 40,099 लाभार्थियों को पहली किस्त के 200 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार लघु उद्यमी योजना का उद्देश्य उन गरीब परिवारों के कम से कम एक सदस्य को रोजगार के अवसर प्रदान करना है, जिनकी मासिक आय 6,000 रुपए मासिक से कम है।

# भारत 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अग्रसर : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि गति और पैमाने के साथ किए गए कार्यों से भारत को पिछले 10 साल में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता 32 गुना बढ़ाने में मदद मिली है। इसके साथ देश 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के अपने लक्ष्य को हासिल करने करने की दिशा में बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सौर महोत्सव में अपने वीडियो संदेश में कहा, ''देश ने पिछले कुछ साल में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में कई बड़े कदम उठाये हैं। हम नवीकरणीय ऊर्जा में पेरिस प्रतिबद्धताओं को हासिल करने वाले जी-20 में पहला देश थे।'' उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण यह संभव हो पाया है। मोदी ने कहा, ''पिछले दस वर्षों में हमारी सौर ऊर्जा क्षमता 32 गुना बढ़ गई है। यह गति और पैमाना हमें 2030 तक 500 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) हरित ऊर्जा क्षमता हासिल करने में भी मदद करेगा।''

मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि हरित ऊर्जा निवेश में असंतुलन को दूर करने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों की मदद के लिए विनिर्माण और प्रौद्योगिकी को लोकतांत्रिक बनाने की जरूरत है, अल्प विकसित देशों और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों को सशक्त बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मोदी ने कहा कि सौर परिवेश के विकास के लिए हाशिए पर रहने वाले समुदायों और युवाओं को शामिल करना महत्वपूर्ण है। सौर ऊर्जा के महत्व को समझाने के लिए वेदों का जिक्र करते हुए

प्रधानमंत्री ने कहा, ''वेदों की रचना हजारों साल पहले की गई थी। वेदों के सबसे लोकप्रिय मंत्रों में से एक सूर्य के बारे में है। आज भी, लाखों भारतीय रोजाना इसका जाप करते हैं। दुनियाभर में कई संस्कृतियां अपने तरीके से सूर्य की अराधना करती हैं। ज्यादातर क्षेत्रों में सूर्य से संबंधित त्योहार भी मनाये जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सौर महोत्सव सूर्य के प्रभाव का जश्न मनाने के लिए पूरी दुनिया को एक साथ लाता है। यह एक ऐसा महोत्सव है जो हमारी पृथ्वी को एक बेहतर ग्रह बनाने में मदद करेगा। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) का दो दिन का अंतरराष्ट्रीय सौर महोत्सव बृहस्पतिवार को यहां शुरू हुआ।

मोदी ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) 2015 में एक छोटे से रूप में शुरू हुआ था। यह उम्मीद और आकांक्षा का क्षण था। आज, यह नीति और कार्रवाई को प्रेरित करने वाले एक विशाल वृक्ष के रूप में विकसित हो रहा है।'' इतने कम समय में आईएसए के सदस्यों की संख्या 100 देशों तक पहुंच गई है.

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके अतिरिक्त, 19 और देश पूर्ण सदस्यता प्राप्त करने के लिए समझौते की रूपरेखा का अनुमोदन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड' के विचार को वास्तविक रूप देने के लिए इस संगठन का विकास महत्वपूर्ण है। इस मौके पर केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, ''हम हजारों साल पहले महाभारत और रामायण काल के दौरान सूर्य की पूजा करते थे...।''

आईएसए असेंबली के अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी संभाल रहे जोशी ने कहा कि आज भी करोड़ों भारतीय अपने दिन की शुरुआत सूर्यनमस्कार से करते हैं। ''हम सौर ऊर्जा में तकनीकी और नीतिगत प्रगति के माध्यम से अपने प्राचीन ज्ञान को लागू कर रहे हैं।'' जोशी ने कहा कि भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन दुनिया में सबसे कम है। इसके बावजूद, हम सक्रिय रूप से अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी, दुनियाभर में 67.5 करोड़ से अधिक लोग बिजली से वंचित हैं, जबकि इससे दोगुने लोगों तक भरोसेमंद बिजली की पहुंच नहीं है।

## 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का संकल्प समृद्ध करने का मार्ग प्रशस्त करेगा रामनाथ स्वामी मंदिर : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में रामनाथ स्वामी मंदिर की स्थापना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को समृद्ध करने वाला प्रयास बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि संपूर्ण भारत एक है और इस संकल्प के साथ आध्यात्मिक चेतना बढ़ रही है एवं मौजूदा प्रयास इसी की एक कड़ी है।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में रामनाथ स्वामी मंदिर में आयोजित महाकुंभाभिषेक एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया और दक्षिण भारतीय शैली के इस मंदिर में नवस्थापित महादेव के शिवलिंग की आरती के साथ-साथ प्रदक्षिणा भी की। आदित्यनाथ ने रामनाथ स्वामी मंदिर की स्थापना को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को समृद्ध करने वाला प्रयास बताया। उन्होंने कहा, ''अयोध्या धाम और तमिलनाडु का विशेष रिश्ता है। ये हजारों वर्षों की परंपरा है। हजारों वर्ष पहले मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जब माता सीता की खोज में श्रीलंका की ओर जा रहे थे तो तमिलनाडु के रामेश्वरम में अपने आराध्य भगवान शिव की अराधना की थी। संपूर्ण भारत एक है, इस संकल्प के साथ आध्यात्मिक चेतना बढ़ रही है। मौजूदा प्रयास भी इसमें एक कड़ी है। हम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं जो यहां भी देखने को मिल रहा है। भारत उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरब से लेकर पश्चिम तक एक रहा है। हमारे शास्त्र एवं धर्मस्थल इस बात के प्रमाण हैं। सरकारें (भले ही) अलग-अलग रही हों, मगर भारत के संतों की परंपरा ने (देश को) मजबूती प्रदान की है।'' मुख्यमंत्री ने वाराणसी में आयोजित 'काशी तमिल संगमम्' का उदाहरण देते हुए कहा कि काशी में तमिल संगमम् के दो संस्करण पूरे हो चुके हैं। आज यहां अय्या जी की मौजूदगी के कारण काशी के बाद अयोध्या धाम भी तमिलनाडु से जुड़ चुका है। उन्होंने कहा, एक ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद राष्ट्र को जोड़ने का काम कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग ओछी राजनीति के लिए देश को बांटने की कोशिश कर रहे है। ऐसे में, मंदिर स्थापना का यह कार्यक्रम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को प्रशस्त करता है।

## एक शिक्षक को आईएएस से अधिक वेतन मिलना चाहिए : मनीष सिसोदिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है तो एक शिक्षक का वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी से अधिक होना चाहिए।

सिसोदिया ने शिक्षक दिवस के अवसर पर दिल्ली नगर निगम की ओर से आयोजित 'शिक्षक सम्मान समारोह' में यह बात कही। उन्होंने कहा, '' आज 2047 के भारत की बहुत चर्चा हो रही है। आज यहां जो शिक्षक बैठे हैं, जो बच्चे आपके साथ हैं वे 2047 के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। वर्ष 2047 का भारत इन्हीं बच्चों पर निर्भर है लेकिन नीति निर्माताओं को भी इनके लिए कुछ करना चाहिए।'' उन्होंने जर्मनी, स्विट्जरलैंड और कुछ अन्य देशों का उदाहरण देते हुए कहा, ''अधिकतर विकसित देशों में शिक्षकों का वेतन वहां के नौकरशाहों से अधिक है। पांच साल के अनुभव वाले शिक्षक को पांच साल की तैनाती वाले आईएएस अधिकारी से अधिक वेतन मिलता है।'' सिसोदिया ने तिहाड़ जेल में बंद रहने की अवधि के बारे में कहा कि वह हर दिन 8-10 घंटे किताबें पढ़ने और विभिन्न देशों की शिक्षा प्रणाली के बारे में जानने में बिताते थे। उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल मेरे जीवन के सबसे कठिन रहे। जब हम कठिन परिस्थितियों में होते हैं तब शिक्षकों द्वारा सिखाई गई बातें सबसे ज्यादा काम आती हैं। मैंने इस दौरान खूब पढ़ाई की। मैं 8-10 घंटे किताबें पढ़ता था। मैंने सबसे ज्यादा शिक्षा, भारत की शिक्षा प्रणाली, दुनिया की शिक्षा प्रणाली के बारे में पढ़ा।''

सिसोदिया आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में 17 महीने तक दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद रहे। पिछले महीने उन्हें जमानत पर रिहा किया गया था।

## 'टू फिंगर टेस्ट' पर रोक,अनुपालन नहीं होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई: मेघालय

**नई दिल्ली/भाषा।** मेघालय सरकार ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया है कि उसने 'टू-फिंगर टेस्ट' पर रोक लगा दी है। यह जांच यह निर्धारित करने के लिए की जाती थी कि कहीं दुष्कर्म या यौन उत्पीड़न की पीड़िता यौन संबंध बनाने की आदी तो नहीं है। राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि मेघालय के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने 27 जून 2024 को एक परिपत्र जारी कर इस जांच पर रोक लगा दी है और इसका अनुपालन नहीं करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने सात मई को पारित शीर्ष अदालत के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि शीर्ष अदालत ने 'टू फिंगर टेस्ट' के चलन की कड़ी निंदा की थी। पीठ ने तीन सितंबर के अपने आदेश में कहा, '' मेघालय की ओर से पेश महाधिवक्ता अमित कुमार ने मेघालय सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से 27 जून 2024 को जारी एक परिपत्र प्रस्तुत किया है। इस परिपत्र में 'टू फिंगर टेस्ट' पर रोक लगाने और इसका अनुपालन नहीं करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की बात कही गई है।''

पीठ ने यह आदेश एक दोषी द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। याचिका में पिछले वर्ष 23 मार्च के मेघालय उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत उसकी दोषसिद्धि की पुष्टि की थी। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि दोषी को इस अपराध के लिए 10 साल की सजा सुनाई गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2022 के अपने एक फैसले में बलात्कार पीड़ितों पर 'टू फिंगर टेस्ट' की निंदा की थी और कहा था कि इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है बल्कि यह उन महिलाओं को फिर से परेशान करना है जिनका यौन उत्पीड़न हुआ है और यह उनकी गरिमा का अपमान है।

## अस्पतालों को सुरक्षित और सुलभ बनाने के बीच संतुलन कायम करने की जरूरत : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना के बाद चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के वास्ते कामकाज का सुरक्षित माहौल बनाये जाने की मांग के बीच (एम्स)-दिल्ली के निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास ने कहा कि अस्पतालों को सुरक्षित तथा सुलभ बनाने के लिए बेहतर संतुलन बनाने की आवश्यकता है।

डॉ. श्रीनिवास ने कहा कि अस्पतालों को ''हवाई अड्डे या किले'' की तरह सुरक्षित बनाने तथा साथ ही मरीजों को चिकित्सकों से निर्बाध ढंग से परामर्श करने की सुविधा प्रदान करने की मांगों के बीच एक बेहतर संतुलन बनाया जाना चाहिए। उन्होंने 'पीटीआई' संपादकों के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा और सुविधा पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है और सारा ध्यान मरीजों की देखभाल और ''उनके साथ भावनात्मक रूप से जुड़े रहने'' पर रहा है। कोलकाता स्थित सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की घटना के बाद अस्पताल के बुनियादी ढांचे में खामियों के साथ-साथ चिकित्सा पेशेवरों की कार्य स्थितियों और सुरक्षा पर तीखी बहस छिड़ी हुई है। डॉ. श्रीनिवास कोलकाता की घटना के बाद चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक प्रोटोकॉल तैयार करने के वास्ते गठित राष्ट्रीय कार्यबल के सदस्य हैं।

## भारत में मेबैक ब्रांड के लिए शीर्ष पांच बाजारों में से एक बनने की क्षमता: मर्सिडीज

**पुणे/भाषा।** जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता मर्सिडीज-बेंज इंडिया का मानना है कि भारत में उसके मेबैक ब्रांड की बिक्री के मामले में शीर्ष पांच बाजारों में से एक बनने की क्षमता है। भारत में अपनी पहली पूर्णतः इलेक्ट्रिक मर्सिडीज-मेबैक के बिजलीचालति संस्करण को पेश करते हुए कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने कहा, '' नए कार मॉडल मर्सिडीज-मेबैक ईक्यूएस 680 एसयूवी को पेश करना अल्ट्रा-लक्जरी खंड पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजिटल तथा इलेक्ट्रिक परिवहन में अग्रणी होने की कंपनी की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।''

मेबैक ईक्यूएस 680 एसयूवी की कीमत 2.25 करोड़ रुपए (पूरे भारत में शोरूम) से शुरू होती है। ब्रांड को कंपनी के लिए बहुत रणनीतिक तथा महत्वपूर्ण बताते हुए अय्यर ने कहा, '' हम चाहते हैं कि भारत इस क्षेत्र में और आगे बढ़े। हम निश्चित रूप से शीर्ष पांच में आना चाहेंगे। यह केवल समय की बात है, हम भारत में मेबैक की वृद्धि की संभावनाएं देखते हैं।'' भारत में मर्सिडीज-बेंज अब अपने खंड में पांच बीईवी ईक्यूए, ईक्यूबी, ईक्यूई एसयूवी, ईक्यूएस सेडान और मेबैक ईक्यूएस 680 एसयूवी पेश करती है।

# कांग्रेस ने सेबी प्रमुख के खिलाफ आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सेबी की चेयरपर्सन माधबी बुच के खिलाफ आरोपों को लेकर उठे विवाद के बीच कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की। मुख्य विपक्षी दल ने कहा कि जांच कराना राष्ट्रीय हित में है, क्योंकि विदेशी निवेशक चिंतित हो रहे हैं और भारत के शेयर बाजारों की साख पर संदेह है।

विपक्षी दल ने कहा कि केवल एक निष्पक्ष, स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है, जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष बुच को तब तक के लिए पद से हटा दिया जाए, तभी भारत के शेयर बाजारों और अर्थव्यवस्था में विश्वास और भरोसा बहाल हो सकता है।

'प्रोफेशनल्स कांग्रेस' के अध्यक्ष और आंकड़ा विश्लेषण विशेषज्ञ (डेटा एनालिटिक्स) प्रवीण चक्रवर्ती ने दावा किया कि देश की सबसे महत्वपूर्ण संस्थाओं में से एक सेबी से जुड़े एक के बाद एक

कई राज सामने आ रहे हैं। उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 10 अगस्त को एक विदेशी शोध कंपनी ने सेबी अध्यक्ष और उनके परिवार के खिलाफ अपतटीय निधियों के संबंध में आरोपों वाली एक रिपोर्ट जारी की, जिसके लिए उन्होंने दस्तावेजी सबूत होने का दावा किया। यह आरोप किसी राजनीतिक दल ने नहीं बल्कि एक शोध कंपनी ने लगाया है। जवाब में मोदी सरकार के एक कैबिनेट मंत्री ने इस मुद्दे पर बात की।

चक्रवर्ती ने पूछा कि उन्होंने सेबी के एक व्यक्ति के खिलाफ एक विदेशी शोध फर्म द्वारा लगाए गए आरोप पर प्रतिक्रिया क्यों दी? उन्होंने कहा, सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच जवाब नहीं दे रही हैं, लेकिन आईसीआईसीआई जवाब दे रहा है। क्यों?

चक्रवर्ती ने यह भी बताया कि 500 सेबी अधिकारियों ने भारत सरकार को एक पत्र लिखा है जिसमें आरोप लगाया गया है कि बुच के नेतृत्व में कामकाज का माहौल दमघोंटू, अपमानजनक और भयावह है। उन्होंने कहा, आज, एक समाचार रिपोर्ट में कहा गया है कि माधबी पुरी बुच के पास आईसीआईसीआई में काम करते समय दो नौकरियां थीं। वह ग्रेटर स्पेसिफिक कैपिटल नामक एक निजी इक्विटी फंड में भी कार्यरत थीं... हो सकता है कि बुच को एक वित्त पेशेवर के रूप में भर्ती किया गया हो, लेकिन इससे आरोपों और सवालों की एक लंबी सूची सामने आती है। क्या यह अधिक चिंता पैदा नहीं करता है?

कांग्रेस नेता ने पूछा कि निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ जांच करने में हिचकिचाहट क्यों है?

## दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ना 'कमजोरी' की निशानी नहीं : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बडगाम (जम्मू-कश्मीर)/भाषा।** नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ना ''कमजोरी'' की निशानी नहीं है, बल्कि यह उनकी पार्टी की ताकत को साबित करता है। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए दो सीटों - गंदेरबल और बडगाम से नामांकन दाखिल किया है।

नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मेरे साथी यह दिखाना चाहते थे कि नेशनल कॉन्फ्रेंस यह चुनाव कमजोर स्थिति से नहीं, बल्कि मजबूत स्थिति में लड़ रही है। मेरा दो सीटों से चुनाव लड़ना कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत की निशानी है, यह नेशनल कॉन्फ्रेंस की ताकत का सबूत है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर बडगाम से उनके हारने का कोई जोखिम होता, तो पार्टी के

साथी उन्हें यहां से चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं देते। अब्दुल्ला ने कहा, ''चाहे बारामूला हो, श्रीनगर हो या अनंतनाग, नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में लहर है और हमें उम्मीद है कि पार्टी सफल होगी तथा गठबंधन के उम्मीदवार भी जीतेंगे।''

तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस का कांग्रेस के साथ गठबंधन है।

अब्दुल्ला ने दावा किया कि जमीनी हालात नेकां के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, ''हम उन मूर्खों की तरह नहीं हैं जो 400 से अधिक (सीटों) की बात करते हैं और फिर 240 पर रुक जाते हैं। मुझे उम्मीद है कि जब मतगणना होगी तो हम सफल होंगे।''

## सुविचार

जब तक आप आर्थिक रुप से मजबूत होते है, तभी तक लोग आपका हाल चाल पूछते हैं!

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# सच्चाई पर झूठ की लीपापोती

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस का यह बयान सच्चाई पर झूठ की लीपापोती है कि उनके देश में हिंदुओं पर हमले सांप्रदायिक नहीं थे और मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि मुख्य सलाहकार की कुर्सी पाते ही मुहम्मद यूनुस के तेवर बदल गए हैं। वे हकीकत से मुंह मोड़ते हुए उन ताकतों के सुर में सुर मिलाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनका आशीर्वाद पाकर वे अपना ओहदा आगे भी बरकरार रख सकते हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों के वीडियो, सोशल मीडिया पर उनकी पोस्टस को दुनियाभर में देखा गया, भारत से लेकर अमेरिका तक उनके लिए आवाजें उठाई गईं, लेकिन मुहम्मद यूनुस को यह मामला बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया लगता है! बांग्लादेशी हिंदुओं की पीड़ा ढाका से लेकर दिल्ली और वॉशिंगटन डीसी तक सुनाई दे रही है। अगर कहीं सुनाई नहीं दे रही तो वह मुहम्मद यूनुस का दफ्तर है! क्या ही अच्छा होता अगर ये नोबेल पुरस्कार प्राप्त अर्थशास्त्री अपने दफ्तर की खिड़कियां खोलकर एक नज़र बाहर भी डालते। बांग्लादेश में हिंसा भड़कने के बाद खुद को निशाना बनाए जाने पर वहां हिंदू समुदाय ने रैलियां निकाली थीं। अगर लोगों के साथ छिटपुट घटनाएं ही हुई थीं तो रैलियां निकालने की नौबत क्यों आई? मुहम्मद यूनुस का यह कहना भी हकीकत से परे है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले सांप्रदायिक से कहीं ज्यादा राजनीतिक थे। वास्तव में बांग्लादेश में कट्टरपंथियों को अल्पसंख्यकों को सताने के लिए कोई बहाना चाहिए। अगर हिंसा राजनीतिक कारणों से भड़की थी तो मंदिरों पर हमले क्यों हुए? मंदिर तो एक ऐसा स्थान होता है, जिसे बाहर से देखकर ही पता लग जाता है कि इसका संबंध आस्था से है। इसके अलावा हिंदुओं के घरों में घुसकर तोड़फोड़ और उनकी बेटियों से अभद्रता क्या थी?

मुहम्मद यूनुस कितनी ही लीपापोती करने की कोशिश करें, सोशल मीडिया के इस दौर में घटनाओं को ज्यादा समय तक छिपाकर नहीं रख सकते। अगर एक बार यह मान भी लें कि बांग्लादेश में हिंसा के पीछे सिर्फ राजनीतिक कारण थे, तो स्थानीय अल्पसंख्यक समुदायों के लोग सोशल मीडिया पर खुद के मकानों, प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थलों को खतरे में क्यों बता रहे थे? कई यूट्यूब चैनलों के वीडियो पर टिप्पणियां करते हुए बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों ने अपनी पीड़ा बयान की थी, जो मुहम्मद यूनुस को अब तक सुनाई नहीं दी है! बांग्लादेश में कोटा प्रणाली के खिलाफ जिस तरह प्रदर्शन हुए, हिंसा भड़की, उग्र भीड़ ने प्रधानमंत्री आवास में घुसकर तोड़फोड़ की, हंगामा किया, उसके दृश्य देखकर यह विश्वास और दृढ़ होता है कि वह छात्रों का आंदोलन नहीं था। उसके पीछे कट्टरपंथी तत्त्व और विदेशी ताकतें थीं। बेकाबू भीड़ में शामिल कई युवकों ने शेख हसीना के अंत: वस्त्र तक लूटकर हवा में लहराए थे। यह बहुत शर्मनाक था। शेख हसीना उन युवकों की दादी की उम्र की हैं। ऐसा प्रदर्शन किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। क्या बांग्लादेश में सत्तारूढ़ नेताओं में से किसी ने ऐसी ओछी हरकतों की निंदा की? किसी भी देश के नागरिकों का कर्तव्य होता है कि वे सरकार और शीर्ष नेताओं से भारी से भारी नाराजगी के बावजूद अपने राष्ट्रीय नायकों और शहीदों का सम्मान करें। जबकि बांग्लादेश में हुड़दंगियों ने उनकी प्रतिमाओं पर हथौड़े चला दिए थे। जो अपने नायकों की प्रतिमा के साथ ऐसा कर सकता है, उसने अन्य लोगों के साथ कैसा बर्ताव किया होगा? निस्संदेह मुहम्मद यूनुस का कर्तव्य है कि वे अपने देश की छवि बेहतर बनाएं, लोगों के बीच विश्वास पैदा करें, शांति एवं सद्भाव के लिए काम करें, हालात सुधारें, लेकिन सच बोलने का हौसला भी दिखाएं।

## ट्वीटर टॉक

ओलंपिक्स भारत के स्पोर्ट्स सेंटर नवज्योति मनोविकास केंद्र, जोधपुर के होनहार बच्चे हैं। दीपिका व्यास, पूनम भाटी, पवन कुमार, शांतनु सिंह राठौर और शोएब अंसारी ने नेशनल 'बोचे और बॉलिंग चैंपियनशिप' में सिल्वर मेडल हासिल कर राजस्थान की शान बढ़ाई है।

**-गजेन्द्र सिंह शेखावत**

शाहपुरा जिले के बीरधोल में बोरड़ा से बीरधोल चौराहे तक 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सड़क और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीरधोल में निर्मित हॉल का लोकार्पण किया। साथ ही 'शिक्षक दिवस' के इस विशेष अवसर पर, उन महान शिक्षकों को सम्मानित किया।

**-दीया कुमारी**

पूर्व राष्ट्रपति एवं शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें नमन करता हूं। आज शिक्षक दिवस है। मैं सभी शिक्षकों का आभार प्रकट करता हूं जिनके दिखाए रास्ते से विद्यार्थियों का जीवन रोशन होता है।

**-अशोक गहलोत**

## प्रेरक प्रसंग

# दोहरा जीवन

एक राजा से एक चित्रकार ने अनुरोध किया, 'राजन, क्या मैं आपका चित्र बना सकता हूं? राजा ने अनुमति देते हुए कहा, जिस प्रकार चंद्रमा तारों के बीच सुशोभित होता है, उसी प्रकार सभासदों के साथ मेरा चित्र बनाओ।' रात में उसके पास राजा का एक दरबारी पहुंचा। उसने चित्रकार से कहा, 'देखो, मेरे कान छोटे हैं, पर चित्र में मेरे कान छोटे नहीं दिखने चाहिए।' उसके बाद एक वृद्ध दरबारी आया। उसने कहा, 'बंधु, अब मैं बूढ़ा हो गया हूं। देखो, अभी मेरा पेट निकल गया है। चित्र में पेट इस रूप में न आए तो ठीक रहेगा।' राजा ने चित्र देखा तो हैरान रह गया। उसने कहा, 'मेरा चित्र तो सही बनाया पर दरबारियों के चेहरे पर मुखौटा क्यों लगा दिया?' चित्रकार ने राजा को बताते हुए कहा, 'कोई भी दरबारी अपने असली रूप में नहीं दिखना चाहता था।' राजा ने कहा, 'हम दोहरा जीवन जीते हैं। अंदर से कुछ होते हैं, पर ऊपर से कुछ और दिखना चाहते हैं।'

## सामयिक

# इंटरनेट शॉपिंग वैश्विक बाजार का महासागर

**संजीव ठाकुर**
मोबाइल : 9009 415 415.

इंटरनेट शॉपिंग अभी भारत तथा विश्व के हर देश में जबरदस्त तरीके से चलन में है। भारत ई शॉपिंग के लिए एक वृहद बाजार है। इंटरनेट शॉपिंग ने खरीदारी की दुनिया ही बदल कर रख दी है। इंटरनेट न सिर्फ अलग-अलग उत्पाद के बारे में उपभोक्ताओं को नवीन जानकारी उपलब्ध कराई है, बल्कि उपभोक्ताओं को सस्ती दरों में सामान भी पहुंचाना शुरू कर दिया है। इंटरनेट घर के भीतर ही कंप्यूटर और मोबाइल पर ऐसे ऐसे उत्पाद की जानकारी हर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराता है जिसके बारे में उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मूलत: शॉपिंग की शुरुआत 21वीं सदी के शुरू में हुई थी। कुछ वर्षों में यह इस कदर छा गई की कुछ लोग बाजार जाना ही बंद कर चुके है। ई-शॉपिंग के द्वारा जनता अपनी मनपसंद वस्तु घर में बैठे-बैठे प्राप्त कर सकती है। इस तरह बाजार की भीड़ की परेशानियों प्रदूषण से बचने एवं अनावश्यक पेट्रोल की फिजूलखर्ची से भी बचा जा सकता है। कुछेक अपवाद को छोड़कर ई-शॉपिंग काफी इकोनामिक एवं भरोसेमंद है। बाजार जाने की बड़ी परेशानियों से बच कर कंप्यूटर मोबाइल के द्वारा एक बटन दबाकर अपनी पसंदीदा वस्तु अपने घर में ही प्राप्त कर लेते है, इसके लिए आपके पास बैंक में पैसे एटीएम कार्ड होना चाहिए फिर देखिए दुनिया का बाजार आपकी मुट्ठी में होगा। टाटा संस के चेयरमैन रतन जी टाटा कहते हैं कि भारत में लोग बहुत बड़ी संख्या में समय अभाव के कारण बाजार जाकर खरीददारी नहीं कर पाते हैं। पर हिंदुस्तान ने की शॉपिंग का चलन इतना बढ़ गया है कि 500 से से 600 सौ मिलियन लोग इस माध्यम से धड़ल्ले से ई-शॉपिंग कर रहे हैं। इस सुविधा युक्त शॉपिंग का भारत में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। ऑनलाइन शॉपिंग की स्थिति यह है कि 2017

के अंत में 100 मिलियन लोग ई शॉपिंग कर रहे थे, जून 2020 में दिल्ली ,मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, बंगलुरु, चंडीगढ़ के साथ बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा केरल और पंजाब के लोग हर साल दुगनी रफ़्तार से ई-कॉमर्स के जरिए शॉपिंग करने में जुट गए हैं। इंटरनेट के द्वारा शॉपिंग करने में 25 से 30 वर्ष के युवा बहुत ज्यादा रूचि दिखा रहे हैं। युवा वर्ग खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम खरीदने में अपना इंटरेस्ट दिखा रहे हैं. वहीं महिलाएं ग्रॉसरी इलेक्ट्रॉनिक आइटम कॉस्मेटिक और कपड़ा रेडीमेड खरीदने में रफ्तार से आगे बढ़ रही हैं। वस्तुत: ई शॉपिंग करने के पीछे कई कारण है जैसे समय की बचत एवं भीड़भाड़ तथा पेट्रोल टैक्सी रिक्शा के अनावश्यक खर्च से बचत होने से भी इसे काफी बढ़ावा मिल रहा है, इसके अलावा सस्ती खरीदारी एक बड़ा कारण है।

आपको ई-कॉमर्स की खरीदी में वैश्विक बाजार ऑनलाइन उपलब्ध रहता है। नए-नए उत्पादकों के अनुसंधान एवं उत्पादन बड़ा है, वह एक साथ दुनिया के किसी कोने में भी तत्काल 2 या 3 दिन में उपलब्ध कराया जाता है। यह एक अंतरराष्ट्रीय सुविधा उपभोक्ताओं को बड़ी आसानी से मिल जाती है। ई-कॉमर्स में आए खराब सामान को आप तत्काल बदलने की सुविधा भी प्राप्त कर लेते हैं।

खरीदारी चुकी ऑनलाइन एक नंबर में होती है अतः इसमें धोखाधड़ी की संभावना भी कम पर बनी हुई है। पर धोखाधड़ी तथा चीटिंग की संभावना इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि जो प्रोडक्ट बुलाया जाता है कई बार उससे निम्नतम क्वालिटी की सामग्री जानबूझकर भेज दी जाती है, पर इसकी कानूनी प्रक्रिया भी है जिससे उपभोक्ता को काफी राहत मिल जाती है। इसके अलावा आप अपनी पुरानी वस्तुओं को भी भेजने की सुविधा शॉपिंग में प्राप्त कर सकते हैं, और उसके दाम प्राप्त कर सकते हैं। पर इस ऑफिस में कुछ सावधानियां रखनी चाहिए इससे हमें आर्थिक नुकसान ना झेलना पड़े, इसीलिए की शॉपिंग करते समय यह ध्यान रहे की अधिकृत वेबसाइट से ही सामान का ऑनलाइन ऑर्डर दिया जाना चाहिए। सस्ती खरीददारी के चक्कर में आर्थिक नुकसान उठाने की संभावना ज्यादा रहती है।

ऑनलाइन खरीदी करने से आपके पासवर्ड और पिन नंबर कई वायरस वाली कंपनियां सेलपॉइंट से चुरा ले कर आपके अकाउंट से पैसा भी निकाल सकती है। खरीदारी करते समय ब्रांडेड कंपनी की वेबसाइट की रिफंड वारंटी एवं अन्य नीतिगत बातों की तरफ ध्यान रखकर की खरीदारी की जानी चाहिए। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ट्रेडर्स के अनुसार 2014 से भारत भर में स्थापित खुले बाजार को ही ई शॉपिंग के कारण 30 से 35 प्रतिशत नुकसान झेलना पड़ता है। भरत का डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया भी बहुत तेजी से हो रही है। जिससे समाज को ई-शॉपिंग इंटरनेट और अन्य माध्यमों से शिक्षित करना एवं जागरूक करना है। भारत की बड़ी जनसंख्या अभी शिक्षित नहीं हो पाई है। ई शॉपिंग उनके लिए थोड़ी आ सुविधाजनक एवं खतरनाक भी हो सकती है। पर कुल मिलाकर इंटरनेट शॉपिंग काफी सुविधाजनक तरीके से भारत भर में शॉपिंग के लिए एक माहौल बना दिया है।

## विशेष

# विघ्नहर्ता, शुभकर्ता श्रीगणेश बहुआयामी देवता

**ललित गर्ग**
मोबाइल : 9811051133

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। प्राचीन काल से हिन्दू समाज कोई भी कार्य निर्विघ्न सम्पन्न करने के लिए उसका प्रारम्भ गणपति की पूजा से ही करता आ रहा है। प्रतिकूल, अशुभ, अज्ञान एवं दुःख से परेशान मनुष्य के लिये गणेश ही तारणहार है। वे सात्विक देवता हैं और विघ्नहर्ता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। भाद्रपद शुक्ल की चतुर्थी को सिद्धि विनायक भगवान गणेश का जन्म हुआ। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, रिद्धि-सिद्धि, वैभव, आनन्द, ज्ञान एवं शुभता के अधिष्ठाता देव हैं। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। इसलिये वे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव है।

गणेश के रूप में विष्णु शिव-पार्वती के पुत्र के रूप में जन्म थे। उनके जन्म पर सभी देव उन्हें आशीर्वाद देने आए थे। विष्णु ने उन्हें ज्ञान का, ब्रह्मा ने यश और पूजन का, धर्मदेव पे धर्म तथा दया का आशीर्वाद दिया। शिव ने उदारता, बुद्धि, शक्ति एवं आत्म संयम का आशीर्वाद दिया। लक्ष्मी ने कहा कि 'जहां गणेश रहेंगे, वहां मैं रहूंगी।' सरस्वती ने वाणी, स्मृति एवं वक्तृत्व-शक्ति प्रदान की। सावित्री ने बुद्धि दी। त्रिदेवों ने गणेश को अग्रपूज्य, प्रथम देव एवं रिद्धि-सिद्धि प्रदाता का वर प्रदान किया। गणेशजी की आकृति विचित्र है, किन्तु इस आकृति के आध्यात्मिक संकेतों के रहस्य को यदि समझने का प्रयास किया जाये तो सनातन लाभ प्राप्त हो सकता है।

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं, वे सात्विक देवता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। महाराष्ट्र का गणेशोत्सव विशेष रूप से प्रसिद्ध है। हजारों स्थानों पर भारतीय कला और संस्कृति की भिन्न-भिन्न गणेश-छवियों के दर्शन होते हैं। रात्रि में सर्वत्र रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। अंतिम दिन बड़ी धूमधाम से गणेश-प्रतिमाओं का विसर्जन नदी तटों, सरोवरों अथवा समुद्र में किया जाता है। दिन-प्रतिदिन गणेश चतुर्थी को अधिक से अधिक भव्यता से मनाने का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है।

भारतीय संस्कृति एक ईश्वर की विशाल कल्पना के साथ अनेकानेक देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना से फलती-फूलती रही है। सब देवताओं की पूजा से प्रथम गणपति की पूजा का विधान है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, वैभव एवं आनंद के अधिष्ठाता हैं। बड़े एवं साधारण सभी प्रकार के लौकिक कार्यों का आरंभ उनके दिव्य स्वरूप का स्मरण करके किया जाता है। व्यापारी अपने बही-खातों पर 'श्री गणेशाय नमः' लिख कर नये वर्ष का आरंभ करते हैं। प्रत्येक कार्य का शुभारंभ गणपति पूजन एवं गणेश वंदना से किया जाता है। विवाह का मांगलिक अवसर हो या नए घर का शिलान्यास, मंदिर में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव हो या जीवन में षोडस संस्कार का प्रसंग, गणपति का स्मरण सर्वप्रथम किया जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार जो भक्ति-पूर्वक गणेश की पूजा-अर्चना करता है, उसके सम्मुख विघ्न कभी नहीं आते। गणपति गणेश अथवा विनायक सभी शब्दों का अर्थ है देवताओं का स्वामी अथवा अग्रणी।

गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है। गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है।

गज मुख पर कान भी इस बात के प्रतीक हैं कि शासक जनता की बात को सुनने के लिए कान सदैव खुले रखें। यदि शासक जनता की ओर से अपने कान बंद कर लेगा तो वह कभी सफल नहीं हो सकेगा। शासक को हाथी की ही भांति शक्तिशाली एवं स्वाभिमानी होना चाहिए। अपने एवं परिवार के पोषण के लिए शासक को न तो किसी पर निर्भर रहना चाहिए और न ही उसकी आय के स्रोत ज्ञात होने चाहिए। हाथी बिना झुके ही अपनी सूँड की सहायता से सब कुछ उठा कर अपना पोषण कर सकता है। शासक को किसी भी परिस्थिति में दूसरों के सामने झुकना नहीं चाहिए। गणेशजी के पैर छोटे हैं जो कर्मेन्द्रिय के सूचक और सत्व गुणों के प्रतीक हैं। मूषक गणपति का वाहन है जो चंचलता एवं दूसरों की छिद्रान्वेषण की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने का प्रेरक है। गणेशजी की चार भुजाएँ चार प्रकार के भक्तों, चार प्रकार की सृष्टि और चार पुरुषार्थों का ज्ञान कराती है।

गणेशजी को प्रथम लिपिकार माना जाता है उन्होंने ही देवताओं की प्रार्थना पर वेद व्यासजी द्वारा रचित महाभारत को लिपिबद्ध किया था। अनंतकाल से अनेक नामों से गणेश दुख, भय, चिन्ता इत्यादि विघ्न के हरणकर्ता के रूप में पूजित होकर मानवों का संताप हरते रहे हैं। वर्तमान काल में स्वतंत्रता की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और अखंडता की रक्षा के लिए गणेशजी की पूजा और गणेश चतुर्थी के पर्व का उत्साहपूर्वक मनाने का अपना विशेष महत्व है।

ऋद्धि-सिद्धि गणेशजी की पत्नियाँ हैं। वे प्रजापति विश्वकर्ता की पुत्रियां हैं। गणेश की पूजा यदि विधिवत की जाए, तो इनकी पतिव्रता पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि भी प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-शांति-समृद्धि और संतान को निर्मल विद्या-बुद्धि देती है। 'सिद्धि से क्षेम' और 'ऋद्धि से लाभ' नाम के शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। जहां भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं तो उनकी पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि यशस्वी, वैभवशाली व प्रतिष्ठित बनाने वाली होती है। वहीं शुभ-लाभ हर सुख-सौभाग्य देने के साथ उसे स्थायी और सुरक्षित रखते हैं। जन-जन के कल्याण, धर्म के सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने एवं सुख-समृद्धि-निर्विघ्न शासन व्यवस्था स्थापित करने के कारण ही गणेशजी की मानव-जाति सदा ऋणी रहेगी। आज के शासनकर्ताओं को गणेश के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है।

## नजरिया

# बढ़ रहे बलात्कार, जिम्मेदार कौन ?

**सिद्धार्थ शर्मा**
मोबाइल : 9632149431

कोलकाता हो या कल्याण हो या बेंगलूरु तक, महिलाओं पर यौन उत्पीड़न की घटनाएं बेतहाशा बढ़ रही हैं। कभी चलती कार में, कहीं अस्पताल में, कहीं स्कूल में, कभी पहलवानों के साथ -लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ ही रही हैं। चाहे 6 वर्ष की शहरी अबोध कन्या हो या अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग्रामीण महिला खिलाड़ी, या मणिपुर की बुजुर्ग महिलाएं, इन सब के साथ क्रूरतापूर्ण दुष्कर्म की घटनाएँ भारत सहित विश्वभर में खबर बन रही है। इतनी की, बड़े बड़े राजनेता भी कह रहे हैं की समाज को आत्ममंथन की जरूरत है। ये लोग यह भी कह रहे हैं की सरकार ने अपराधों से और प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कानून को मजबूत बनाने के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया है। पर दूसरी तरफ सर्वोच्च अदालत ने तो हाल में ये कह दिया की महिला सुरक्षा सुनिश्चित करना अब किसी सरकार से संभव नहीं हो रहा है, तो इसीलिए न्यायपालिका ने स्वयं डाक्टरों की सुरक्षा हेतु एक राष्ट्रीय टास्क फ़ोर्स बना डाला।

मीडिया में चल रही लगातार बहस के दौरान भी भारत के बुद्धिजीवी कुछ ऐसी ही बातें करते हैं तथा कड़ी से कड़ी सजा के हिमायती दिख रहे हैं। टीवी एंकरों, राजनेताओं की मानें तो पूरा समाज दोषी है, और बुद्धिजीवियों की माने तो हर दोषी को फांसी होनी चाहिए। इन दोनों की राय लागू हो जाय तो भारत से मनुष्य प्रजाति डायनोसार के सामान लुप्त हो जायेगी।

आश्चर्य है की भारत के जिम्मेदार लोग यह भी नहीं जानते की समाज में अपराधियों की संख्या 1 प्रतिशत से भी कम होती है, तथा ऐसे अपराधी तत्वों से शेष 99 प्रतिात सज्ज्ननों को सुरक्षा प्रदान करने हेतु ही पुलिस होती है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के वर्ष 2023 के आंकड़े बताते हैं की भारत में कुल संज्ञेय अपराधों की संख्या 5824946 है। तो 0.50 प्रतिशत विकृत लोगों के कृत्यों की जिम्मेदारी शेष 99.95 शरीफों पर डालना कहाँ की समझदारी है ? यह तो चर्चा हुई समस्या की। अब देखें की भारत के ये मूर्धन्य इसका समाधान क्या बता रहे हैं। ऐसे समय में बंगाल की मुख्यमंत्री हों, राष्ट्रपति हों, या प्रधानमंत्री से लेकर टीवी पर सभी विशेषज्ञ फांसी जैसी कड़ी से कड़ी सजा की वकालत करते दिख रहे है। निर्भया के बाद भी, और कल ही बंगाल में भी सर्वसम्मति से कडे कानून बन भी गये। असाधारण कृत्यों हेतु फांसी का पक्षधर होना स्वाभाविक होते हुए भी सच्चाई यह है सुरक्षा और न्याय भिन्न-भिन्न विषय हैं। जब किसी व्यक्ति के साथ अन्याय घटित हो जाता है तब जाकर कहीं न्यायालय उस व्यक्ति को उसके मूल अधिकारों के हनन के नैतिक एवज में 'मुआवजे' के रूप में न्याय देता है। कानूनों को कडा करने से न्यायालयों को ऐसे 'मुआवजे' दने में अधिक सुविधा तो अवश्य होगी, पर ऐसी घटनाएं रोकने का काम न्यायालय नहीं कर सकते। किसी व्यक्ति के मूल अधिकारों के हनन को रोकने का काम तो सुरक्षा एजेंसियों का है। भारत में उस एजेंसी को पुलिस कहते है।

भारत के कर्णधारों को दुनिया के अन्य लोकतन्त्रों में ऐसी ही समस्या का क्या समाधान खोजा गया, इसका अध्ययन करने की फुर्सत निकालनी चाहिए। 1990 के दशक में अमरीका एवं यूरोप में घटती अपराध संख्या पर अलग-अलग शोध स्टीवन पिंकर तथा स्टीवन लेविट ने किये जिसके आश्चर्यजनक परिणाम लेविट ने 2004 के अपने शोध-पत्र में कही। इसमें कहा गया की केवल कुछ अपराधों में कमी की बाट जोहना अव्यावहारिक है। किसी समाज में कुल अपराध या तो घटते हैं या बढ़ते हैं। यूरोप एवं अमरीका के अपराध दर सार्वत्रिक रूप से घटे, चाहे वह भौगोलिक दृष्टि से हो, आर्थिक सम्पन्नता की दृष्टि से हो, या शैक्षणिक योग्यता की दृष्टि से। इससे भी महत्वपूर्ण तथ्य यह प्रकट हुआ की इस घटती अपराध दर में बुद्धिजीवियों द्वारा बहुप्रचलित सिद्धांत, जैसे 'पुलिस सुधार', 'फांसी की सजा', 'कड़े क़ानून', 'जनसंख्या नियंत्रण', 'शिक्षा', 'संस्कृति' आदि का कोई स्थान नहीं था। घटती अपराध दर का एकमात्र ठोस कारण था पुलिस स्टाफ की संख्या में इजाफा। यहाँ तक की बढे हुए पुलिस दल की गुणवता भी अप्रासंगिक रही। केवलमात्र पुलिसवालों की संख्या की बढ़ोतरी से दो महाद्वीपों में अपराध दर में ठोस गिरावट देखी गयी है।

भारत में भी कई सामान्य नागरिकों से लेकर सामाजिक सरोकार वाले समूह वर्षों से यही समाधान देते आये है की क़ानून से चरित्र न कभी बना है न बनेगा, यह सच्चाई राजनेताओं एवं बुद्धिजीवियों को समझनी चाहिए। यदि वे न समझें तो आम आदमी उन्हें समझाए। अपराधियों से समाज की सुरक्षा राज्य का दायित्व है, अन्य किसी से यह संभव नहीं, यह बात आम आदमी को समझनी पड़ेगी। भारत में पुलिस की स्थिति यह है की प्रति एक लाख नागरिक केवल 145 पुलिसवाले तैनात हैं, वहीं महज 19467 वीआइपी की सुरक्षा में 66000 पुलिसवाले नियुक्त हैं। और सरकारी सूत्रों के अनुसार 6 लाख यानी 22 प्रशित पुलिस पद रिक्त हैं। इसी कारण राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2003 में भारत में कुल अपराध जहां 17 लाख से कम थे, वहीं वे 2023 में 58 लाख से ऊपर पहुँच गए। यानी केवल 20 साल में 3 गुना से अधिक की खतरनाक वृद्धि। उदाहरण के लिए भारत से सटे श्रीलंका की अपराध दर 2.26 अपराध प्रति एक लाख नागरिक है तो भारत का अपराध दर 446 अपराध प्रति एक लाख नागरिक है। भारत में एक लाख नागरिकों पर 145 पुलिस है तो श्रीलंका में 424 पुलिसवाले तैनात हैं।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है की यदि चरित्र निर्माण ही सारी समस्याओं का समाधान है तो इतनी भारी-भरकम राज्य व्यवस्था की आवश्यकता ही क्या है? क्यों न सभी सरकारी महकमों को बंद कर सकल घरेलू उत्पाद को चरित्र निर्माण में झोंक दिया जाय! समय आ गया है की हम भारत के लोग अपने स्वतन्त्र चिंतन से कुछ नतीजों पर पहुंचें, क्योंकि बीमार आदमी को समय से दवा न मिलने से जितना खतरा होता है, उससे कहीं ज्यादा खतरा गलत दवा के सेवन से होता है।

समाधान अब एक ही है, जिसे पाश्चात्य विकसित राष्ट्रों ने बहुत पहले ही अपना लिया है। राज्य अपनी सारी शक्ति नागरिकों की सुरक्षा पर लगा दे। सुरक्षा और न्याय के अतिरिक्त सारे काम राज्य समाज को सौंप दे। सौ प्रतिशत सुरक्षित समाज में स्वतः ही महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे आदि चौबीसों घंटे अपने अपने घरों से बाहर जाने में जब सहज महसूस करेंगे तो आर्थिक सामाजिक विकास स्वयं होने लगेगा। ऊपर से सरकार को भी अधिक टैक्स मिलने लगेगा। राज्य के शक्ति विकेन्द्रीकरण से ही विकसित भारत संभव है, वर्तमान जैसे राज्य के नागरिक सुरक्षा की कीमत पर अन्य अनेकानेक विषयों में इन्वाल्व होकर ओवरलोड होने में नहीं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

कोलकाता में गुरुवार को भाजपा विधि विभाग के सदस्यों ने आरजी कर अस्पताल में बलात्कार और हत्या मामले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

# बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले सांप्रदायिक नहीं, मुद्दा 'बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया गया': यूनुस

**ढाका/भाषा**

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा है कि उनके देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों के मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और उन्होंने भारत द्वारा इसे पेश करने के तरीके पर भी सवाल उठाया। यहां अपने आधिकारिक आवास पर 'पीटीआई' के साथ एक साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले सांप्रदायिक से कहीं ज्यादा राजनीतिक हैं। उन्होंने कहा कि ये हमले सांप्रदायिक नहीं थे, बल्कि राजनीतिक उथल-पुथल का नतीजा थे, क्योंकि ऐसी धारणा है कि ज्यादातर हिंदू अपदस्थ हो चुकी अवामी लीग सरकार का समर्थन करते थे।

नोबेल पुरस्कार विजेता ने 'पीटीआई' को बताया, मैंने (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी से भी कहा है कि यह बात बढ़ा-चढ़ाकर कही जा रही है। इस मुद्दे के कई आयाम हैं। जब (शेख) हसीना और अवामी लीग के अत्याचारों के बाद देश में उथल-पुथल मची थी, तो उनके साथ खड़े लोगों को भी हमलों का सामना करना पड़ा।

प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटाने के लिए हुए आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा के दौरान अल्पसंख्यक हिंदू आबादी को अपने व्यवसायों और संपत्तियों की तोड़फोड़ का सामना करना पड़ा, साथ ही हिंदू मंदिरों को भी नष्ट कर दिया गया। पांच अगस्त को अभूतपूर्व सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भारत चली गईं। उन्होंने कहा, अब, अवामी लीग के कार्यकर्ताओं की पिटाई करते समय, उन्होंने हिंदुओं की भी पिटाई कर दी, क्योंकि ऐसी धारणा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं का मतलब अवामी लीग समर्थक है। मैं यह नहीं कह रहा कि जो हुआ वह सही है, लेकिन कुछ लोग इसे संपत्ति जब्त करने के बहाने के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिए, अवामी लीग समर्थकों और हिंदुओं के बीच कोई स्पष्ट अंतर नहीं है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने के तुरंत बाद, पिछले महीने नई दिल्ली के साथ अपने पहले सीधे संपर्क में, यूनुस ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया कि ढाका हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा को प्राथमिकता देगा।

# अमेरिका के हाई स्कूल में 14 वर्षीय छात्र ने की गोलीबारी, चार लोगों की मौत

**विंडर (अमेरिका)/एपी**

अमेरिका के जॉर्जिया में एक हाई स्कूल में 14 वर्षीय छात्र ने बुधवार को गोलीबारी की जिससे चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।एक साल से अधिक समय पहले स्कूल में गोलीबारी की धमकी मिलने पर जॉर्जिया पुलिस ने इसी लड़के से पूछताछ की थी तब वह 13 वर्ष का था। लेकिन जांच अधिकारियों के पास उसकी गिरफ्तारी के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे।

जॉर्जिया जांच ब्यूरो के निदेशक क्रिस होजी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मृतकों में अपालाची हाई स्कूल के दो छात्र और दो शिक्षक शामिल हैं, जिनकी पहचान छात्र मेसन शरमरहॉर्न (14) और क्रिस्टियन एंगलो (14) तथा प्रशिक्षक रिचर्ड एस्पिवॉल (39) और क्रस्टिना इरीमी (53) के रूप में हुई है।

बैरो काउंटी के शेरिफ जुड स्मिथ ने कहा कि घटना में आठ विद्यार्थियों और एक शिक्षक समेत नौ अन्य लोग घायल भी हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी के जल्द ठीक होने की उम्मीद है। विंडर अटलांटा से करीब एक घंटे की दूरी पर है।

छात्र (अब 14 वर्ष) को बृहस्पतिवार को क्षेत्रीय युवा सुधार गृह भेजा गया है। उसकी एक सहपाठी लीला सायरथ ने बताया कि वह (आरोपी) बीजगणित की कक्षा में फिर से आना चाहता था और स्कूल के उसके सहपाठियों ने जब उसके लिए दरवाजा नहीं खोला तो उसने छात्रों की ओर राइफल तान दी। सायरथ ने बताया कि कुछ छात्र बंद दरवाजे को खोलने गए लेकिन वे दरवाजा खोलने के बजाय लौट आए। उसने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्होंने कुछ देखा और इसी कारण उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। जब मैंने खिड़की से झांककर देखा तो वह (आरोपी) मुड़ चुका था और गोलियां चलाने लगा।''

उसने बताया कि गणित के छात्र जमीन पर लेट गए और रेंगकर सुरक्षित जगह तलाशने लगे। होजी ने बताया कि गोली चलने की सूचना मिलने के कुछ ही मिनटों के भीतर स्कूल के दो अधिकारियों ने हमलावर छात्र को रोकने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध एक स्कूली छात्र है। उसने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया और उसे हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी छात्र पर वयस्क के समान हत्या का मामला दर्ज किया गया है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने एक बयान में कहा कि मई 2023 में एफबीआई को किसी व्यक्ति से स्कूल में गोलीबारी के बारे में ऑनलाइन धमकी मिलने की सूचना मिली थी जिसके बाद छात्र से पूछताछ की गई थी।

एफबीआई ने मामला जैकसन काउंअी में शेरिफ विभाग को सौंप दिया था जो बैरो काउंटी से सटा है।

शेरिफ के कार्यालय ने 13 वर्षीय लड़के और उसके पिता से पूछताछ की, जिन्होंने बताया कि घर में सिर्फ शिकार करने वाली बंदूक है लेकिन वह किशोर की पहुंच से बाहर है। किशोर ने भी ऐसी कोई ऑनलाइन धमकी देने की बात से इनकार किया।

शेरिफ कार्यालय ने स्थानीय स्कूलों को अलर्ट किया और किशोर के बारे में निरंतर निगरानी करने को कहा। एफबीआई ने बताया कि उस वक्त उसकी गिरफ्तारी या अतिरिक्त कार्रवाई के लिए कोई संभावित कारण नहीं था। स्थानीय समाचार आउटलेट की खबर के अनुसार कानून प्रवर्तन ने बुधवार को जॉर्जिया के बेथलहम में किशोर के परिवार के घर की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि वे इस बात का पता लगा रहे हैं कि संदिग्ध को बंदूक कैसे मिली और वह बैरो काउंटी में स्कूल में कैसे घुसा? इस दौरान बैरो काउंटी के शेरिफ जुड स्मिथ घटना की जानकारी देते हुए रो पड़े। उन्होंने कहा कि इसी जगह वह पले-बढ़े हैं और उनके बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं।

# बोइंग का कैप्सूल बिना अंतरिक्ष यात्रियों के जल्द ही पृथ्वी पर वापस लौटेगा

**केप कैनवरल/एपी**

बोइंग अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से अपने खराब कैप्सूल को इस सप्ताह के अंत तक वापस लाने का प्रयास करेगा और इस कैप्सूल से वे दो अंतरिक्ष यात्री नहीं लौटेंगे जिन्हें ये लेकर गया था।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बुधवार को कहा कि बोइंग के स्टारलाइनर कैप्सूल के शुक्रवार शाम को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से वापसी की सारी तैयारियां सही दिशा में हैं। पूरी तरह से स्वचालित इस कैप्सूल के छह घंटे बाद न्यू मैक्सिको के 'व्हाइट सैंड्स मिसाइल रेंज' में उतरने की उम्मीद है।

नासा के जो दो अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर स्टारलाइनर से गए थे वे फिलहाल नहीं लौटेंगे और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ही रहेंगे। उन्हें फरवरी में स्पेसएक्स की उड़ान से वापस लाया जाएगा।

ये अंतरिक्ष यात्री एक सप्ताह की परीक्षण उड़ान पर गए थे लेकिन कैप्सूल के थ्रस्टर में समस्या और हीलियम लीक के कारण उनकी वापसी में देरी हो रही है।

# श्रीदेवी, माधुरी, कैटरीना जैसी अभिनेत्रियों से डांस की प्रेरणा लेती हैं शरवरी

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी का कहना है कि वह श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, कैटरीना कैफ ,रवीना टंडन जैसी कई अभिनेत्रियों से डांस की प्रेरणा लेती हैं। शरवरी, बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण के लिए जानी जाती हैं, और उनका डांस के प्रति जुनून उतना ही गहरा है जितना कि उनका सिनेमा के प्रति प्रेम। 'तरस' में उनके शानदार प्रदर्शन ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। इतने बड़े डांस नंबर को करियर के शुरुआत में ही हासिल करना वास्तव में काबिले तारीफ है।

शरवरी का डांस के साथ सफर कैमरे के रोल होने से बहुत पहले शुरू हो गया था। इस बारे में बात करते हुए शरवरी ने कहा, जैसे ही संगीत शुरू होता है, मैं तुरंत नाचने लगती हूं। यह मेरा स्वभाव है, जो बचपन से ही रहा है। बड़े होते हुए, मैं एक सुपर फिल्मी बच्ची बन गई थी और खुद को एक बॉलीवुड हीरोइन के रूप में कल्पना करती थी, जो शिफॉन साड़ी पहनकर सरसों के खेतों में दौड़ते हुए और हिंदी फिल्मों के खूबसूरत गानों पर नाचते हुए नजर आती थी।

शरवरी ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने खुद के लिए इस पेशे को चुना और निश्चित रूप से 'तरस' जैसे बड़े डांस सॉन्ग को हासिल करने का सपना देखा। जब मेरे निर्माता दिनेश विजन सर ने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इस डांस सॉन्ग के लिए चुना, तो मैं बहुत रोमांचित हुई। मैंने 'तरस' की शूटिंग के दौरान अपना सब कुछ दिया। यह इंडस्ट्री को दिखाने का एक मौका था कि मैं अच्छे से डांस कर सकती हूं, और इसमें मैंने कोई कसर नहीं छोड़ी है।मैंने रोज़ाना स्टेप्स का अभ्यास किया और मुझे खुशी है कि लोगों को जो उन्होंने देखा वो पसंद आया। जब मैंने थिएटर्स में लोगों को मेरे गाने पर नाचते हुए देखा, तो यह मेरे लिए एक बड़ी बात थी। मैं उम्मीद करती हूं कि मैं अपनी एक्टिंग, डांसिंग, मेहनत और पेशे के प्रति समर्पण के साथ लोगों का मनोरंजन करती रहूं। मुझे बॉलीवुड की उन अग्रणी महिलाओं से बहुत प्रेरणा मिलती है जिन्होंने अपने डांस से लोगों के दिलों में जगह बनाई है।श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, रवीना टंडन,करिश्मा कपूर, करीना कपूर, कैटरीना कैफ ने एक ऐसी विरासत छोड़ी है जिनसे मुझे लगातार प्रेरणा मिलती रहती है।

# फिल्मों में आने से पहले अपनी माँ के प्लेस्कूल में शिक्षिका के रूप में काम करती थीं कियारा आडवाणी

**मुंबई/एजेन्सी**

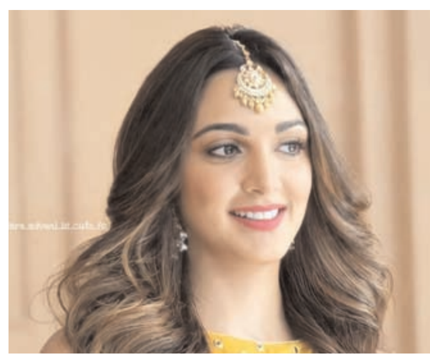

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री कियारा आडवाणी फिल्मों में आने से पहले अपनी मां के प्लेस्कूल में शिक्षिका के रूप में काम करती थी। कियारा आडवाणी ने भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बना ली है। कियार ने अपने शानदार प्रदर्शन और करिश्माई ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इस साल कियारा के इंडस्ट्री में दस शानदार साल पूरे हुए हैं, और अपने बेहतरीन टैलेंट के दम पर उन्होंने अपने लिए एक अलग जगह बनाई है। उनके कुछ बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा महिला लीड में से एक बना दिया है। सिनेमा में अपनी प्रसिद्धि से पहले, कियारा आडवाणी ने अपनी देखभाल और पोषण करने की स्वाभाविक क्षमता को अपनी मां के प्लेस्कूल में शिक्षक के रूप में निखारा, जहाँ उन्होंने बच्चों को नर्सरी राइम्स और बेसिक कॉन्सेप्ट्स सिखाए। इस शुरुआती अनुभव ने उनकी सहानुभूति और समर्पण को उजागर किया, जो उनके मनोरंजन उद्योग में भविष्य की सफलता की नींव बना।

कियारा हमेशा से बच्चों की पसंदीदा रही हैं, और उनके साथ गहरा जुड़ाव रखने की क्षमता उनके पोषण और देखभाल करने वाले स्वभाव का परिणाम है, जो उनके शिक्षक के रूप में बिताए समय से विकसित हुआ। यह गुण उनकी एक्टिंग में भी झलकता है। उनकी फिल्मों, जैसे भूल भुलैया 2 और गुड न्यूज़ में निभाए गए किरदारों ने बच्चों के साथ खास संबंध बनाया, जिससे वह युवा दर्शकों के बीच भी बेहद लोकप्रिय हो गईं। इस बीच, कियारा आडवाणी को पैन-इंडियन फिल्म 'गेम चेंजर' में देखा जाएगा, जिसमें उनके साथ राम चरण और निर्देशक शंकर हैं। इसके अलावा, उनके पास कुछ बड़ी फिल्में भी हैं, जिनमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ वॉर 2 और रणवीर सिंह के साथ डॉन 3 शामिल हैं।

शिक्षक दिवस

मुरादाबाद में गुरुवार को छात्र शिक्षक दिवस के अवसर पर स्कूल परिसर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का एक बड़ा चित्र बनाते हुए।

# वेबसीरीज 'विस्फोट' का ट्रेलर रिलीज

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड अभिनेता फरदीन खान और रितेश देशमुख की वेबसीरीज विस्फोट का ट्रेलर रिलीज हो गया है। वेबसीरीज 'विस्फोट' का ट्रेलर रिलीज हो गया है।ट्रेलर में दो अलग-अलग लोगों की जिंदगी कैसे आपस में उलझ जाती है, इसकी झलक दिखाई गई है। 'विस्फोट' में रितेश देशमुख एक पायलट के किरदार में हैं, वहीं फरदीन खान चॉल में रहने वाले एक गरीब इंसान का किरदार निभाते हैं।दोनों अपनी-अपनी अलग जिंदगी जी रहे होते हैं कि तभी कुछ सीरीज ऑफ इवेंट्स के चलते दोनों की जिंदगी आपस में उलझ जाती हैं।

थ्रिल से भरपूर क्राइम-सस्पेंस सीरीज 'विस्फोट' अब्बास दलाल और हुसैन दलाल द्वारा लिखित और कुकी गुलाटी द्वारा निर्देशित है। व्हाइट फेदर फिल्म्स के बैनर तले संजय गुप्ता और अनुराधा गुप्ता द्वारा निर्मित इस सीरीज में रितेश देशमुख और फरदीन खान के अलावा क्रिस्टल डीसूजा, प्रिया बापट, शीबा चड्ढा जैसे कई और कलाकार नजर आएंगे।विस्फोट 06 सितंबर को जियो सिनेमा पर रिलीज होगी।

# बॉलीवुड फिल्मों में भी दिखती है गणेश उत्सव की धूम

**मुंबई/एजेन्सी**

'गणेश चतुर्थी' उन चंद त्योहारों में से एक है जिसे हिन्दी फिल्मों में बड़े धूमधाम से दर्शाया जाता रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों और खासकर महाराष्ट्र में गणेश चतुर्थी काफी उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है। भगवान गणेश के आगमन से लेकर उनकी विदाई तक श्रद्धालु पूरे भक्ति भाव से उनकी पूजा अर्चना करते हैं। बॉलीवुड के फिल्मकार प्रथम पूज्य गणेशजी के आगमन और विदाई दोनों को बेहद ही खूबसूरत अंदाज में दिल को छू लेने वाले गीतों के साथ पेश करते रहे हैं।

निर्माता निर्देशक दादा साहब फाल्के की वर्ष 1925 में प्रदर्शित फिल्म गणेशा उत्सव संभवत पहली फिल्म थी जिसमें भगवान गणेश की महिमा को रुपहले पर्दे पर पेश किया गया था। वर्ष 1936 में प्रदर्शित फिल्म पुजारिन में भी भगवान गणेश पर आधारित गीत और दृश्य रखे गये थे। तिमिर वरन के संगीत निर्देशन में बनी फिल्म का यह गीत हो गणपति बप्पा मोरया आज भी श्रोताओं को भाव विभोर कर देता है और महाराष्ट्र में तो इन दिनों सभी जगह इसकी गूंज सुनाई दे रही है।सत्तर के दशक में भगवान गणेश की महिला का वर्णन करते हुये कई फिल्मों का निर्माण किया गया।

इनमें वर्ष 1977 में प्रदर्शित फिल्म जय गणेश प्रमुख है। एस.एन. त्रिपाठी के संगीत निर्देशन में पार्श्वगायिका सुषमा श्रेष्ठ और पूर्णिमा की आवाज में रच बसे गीत जय गणेश जय गणेश देवा माता जाकी पार्वती पिता महादेवा'' में गणेश भगवान की महिमा का गुनगान किया गया है।

अस्सी के दशक में भी गीतकारों ने कुछ फिल्मों में भगवान गणेश पर आधारित गीतों की रचना की। वर्ष 1981 में मिथुन चक्रवर्ती की मुख्य भूमिका वाली फिल्म हम से बढकर कौन उल्लेखनीय है। मोहम्मद रफी और किशोर कुमार की युगल आवाज में रचा बसा युगल गीत देवा हो देवा गणपति देवा गणपति गीतों में अपना विशिष्ट मुकाम रखता है। अब तो इस गीत के बिना गणपति गीतों की कल्पना ही नहीं की जा सकती है।

# पूजा हेगड़े ने फिल्म 'देवा' की शूटिंग पूरी की

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी आने वाली फिल्म देवा की शूटिंग पूरी कर ली है। पूजा हेगड़ ने मुंबई में पिछले चार दिनों में फिल्म देवा के लिये फिल्माए गए एक हाई-एनर्जी गाने के सीक्वेंस के साथ शूटिंग पूरी की, जिससे फिल्म का निर्माण आधिकारिक रूप से पूरा हो गया। फिल्म देवा की टीम ने इस अवसर पर पूजा को एक खास नोट भेजा है। इस खास नोट को पूजा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम की स्टोरी पर साझा किया है। इस नोट में लिखा है, हाय पूजा, हमारी फिल्म में आपके बेहतरीन और अविश्वसनीय काम और मौजूदगी के लिए हार्दिक धन्यवाद! आपकी प्रतिभा और समर्पण ने सेट में इतनी जान डाल दी और यह वाकई में फिल्म में दिखाई देता है, चमकते रहो, बहुत प्यार। फिल्म देवा में शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 14 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म में पूजा हेगड़े एक दृढ़ निश्चयी पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जबकि शाहिद कपूर एक विद्रोही पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। प्रसिद्ध मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित और ज़ी स्टूडियो के सहयोग से रॉय कपूर फिल्म्स द्वारा निर्मित, फिल्म देवा ड्रामा, रहस्य और अप्रत्याशित ट्विस्ट से भरपूर एक मनोरंजक रोलर-कोस्टर राइड होने का वादा करती है। देवा के अलावा, पूजा हेगड़े के पास सूर्या 44, नाडियाडवाला ग्रैंडसन की सनकी समेत अन्य प्रोजेक्ट हैं।

# फैशन मेरे लिए खुद को व्यक्त करने का एक और तरीका : आलिया भट्ट

**नई दिल्ली/एजेन्सी**

आलिया भट्ट अपनी ऑन-स्क्रीन परफॉर्मेंस और स्टाइल से दर्शकों को हमेशा आकर्षित करती रही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा है कि फैशन उनके लिए एक कहानी बताने का तरीका है। आलिया ने कहा, फैशन मेरे लिए खुद को व्यक्त करने का एक और तरीका है, यह मेरे लिए खुद का प्रतिबिंब है। मैंने हमेशा अपने प्रति सच्चा रहने की कोशिश की है। फैशन हमेशा बदलता रहता है लेकिन मेरे लिए यह हमेशा आरामदायक और आसान रहा है। जब आलिया से उनके बालों और त्वचा की देखभाल के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अपने रूटीन के बारे में भी कई बातें शेयर की। उन्होंने कहा मैं एक नियमित स्किनकेयर रूटीन का पालन करती हूं, जिसमें त्वचा की सफाई, मॉइश्चराइजिंग और धूप से सुरक्षा शामिल है। हाइड्रेटेड रहना भी मेरे रूटीन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब मैं काम नहीं कर रही होती, तो मैं मेकअप भी नहीं करती हूं ताकि मेरी त्वचा भी आराम कर सके। इसके अलावा मैं अपने बालों को स्टाइलिंग टूल्स और प्रोडक्ट्स से ब्रेक देती हूं ताकि वे स्वस्थ रहें। आलिया ने अपने सिल्की बालों के बारे में बताते हुए कहा, मेरे लिए, बालों के साथ नए-नए प्रयोग करना नए लुक्स को अपनाने का अच्छा तरीका है। यह बहुत अच्छी बात है कि बालों का नया रंग आपके किसी इवेंट में मौजूदगी को कैसे बदल सकता है और यह आपकी परफॉर्मेंस में एक नई ऊर्जा का संचार कर सकता है। उल्लेखनीय है कि आलिया भट्ट ने 2012 में अपनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था। वह इसी साल अक्टूबर के महीने में हिंदी सिनेमा में अपने 12 साल पूरा करने वाली हैं। अपने इस बारह साल के करियर में उन्होंने हाईवे, 2 स्टेट्स, हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, कपूर एंड सन्स, उड़ता पंजाब, राज़ी, गली बॉय, गंगूबाई काठियावाड़ी, डार्लिंग्स, और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया।

आलिया ने हिंदी सिनेमा में अपने 12 साल के योगदान को याद करते हुए कहा, पिछले 12 वर्षों में, मैंने कुछ बेहतरीन निर्देशकों, प्रोडक्शन हाउसों और अभिनेताओं के साथ काम किया है। मैं उन सब के द्वारा मुझे मिले हर प्रोजेक्ट के लिए आभारी हूं, क्योंकि इन लोगों की वजह से ही मुझे इतने विविध और अनोखे किरदार निभाने का मौका मिला है। बता दें, आलिया की आगामी फिल्मों में जिगरा और अल्फा शामिल है जिसमें वह एक जासूस की भूमिका में नजर आएंगी।

# फिल्म 'लव इज़ लव' का पहला लुक रिलीज

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड अभिनेत्री जरीना वहाब, किटू गिडवानी और बिदिता बाग की फिल्म 'लव इज़ लव' का पहला लुक रिलीज हो गया है। फिल्म 'लव इज़ लव' लोकप्रिय इ ंटरन ेशनल एलजीबीटीक्यू+ओटीटी प्लेटफॉर्म डेक्कू पर रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन जाएगी।यह फ़िल्म, जिसने पहले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा प्राप्त कर ली है, 13 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता 'डन्नो वाई ना जाने क्यों' सीरीज़ की त्रयी है। 'लव इज़ लव' में किटू गिडवानी, ज़रीना वहाब, कपिल कौस्तुभ शर्मा, युवराज पाराशर, बिदिता बाग, शाहजहाँ और मोना अम्बेगांवकर जैसे बेहतरीन कलाकार हैं। कहानी 2002 से 2023 तक चार चरणों में फैली हुई है, जिसमें किटू गिडवानी अपने शानदार करियर में पहली बार एक वेश्या का किरदार निभा रही हैं। निर्देशक कपिल कौस्तुभ शर्मा ने अपनी फ़िल्म लव इज़ लव का बहुप्रतीक्षित पहला लुक साझा किया है। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने सोशल मीडिया पर लिखा, एलजीबीटीक्यू+समुदाय को अपना समर्थन जारी रखते हुए, हमें अपने नवीनतम उद्यम लव इज़ लव की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 13 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता डन्नो वाई ना जाने क्यों की एक त्रयी। यह जल्द ही अमेरिका के सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय एलजीबीटीक्यू+ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर स्ट्रीम होगी। कपिल कौस्तुभ शर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित और युवराज पाराशर द्वारा निर्मित, 'लव इज़ लव' में ज़ीनत अमान के बेटे ज़हान खान और निखिल कामथ ने संगीत दिया है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.


शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व के सान्निध्य में अणुव्रत चेतना दिवस मनाया गया। इस मौके पर साध्वी संयमलताजी ने कहा भगवान ने दो प्रकार के धर्म बताए हैं अगार धर्म व अणगार धर्म।

## सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रीक्षेत्र श्रवणबेलगोला मठ द्वारा संचालित अंबिका विद्यालय में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य बेंगलूरु के मारुति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के भविष्य के निर्माता है। शिक्षक का व्यक्तित्व निर्मल जल की तरफ पवित्र होना चाहिए क्योंकि शिक्षक बच्चों के आदर्श होते हैं।

# 'शिक्षक भगवान से भी ज्यादा उपकारी और पूज्य'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में पर्युषण पर्व के पांचवे दिन शिक्षक दिवस के संदर्भ में स्वाध्यायी अभयकुमार बांठिया ने कहा कि शिक्षक हमारे भविष्य के निर्माता होते हैं और भगवान से भी ज्यादा उपकारी और पूज्य होते हैं क्योंकि शिक्षक ही हमे सही राह बताते हैं। पर्युषण में परंपरा से स्वाध्याय किए जाने वाले अंतगड दशा सूत्र का वाचन और विवेचन करते हुए कहा कि हमे हमेशा धर्म में सहायक होना चाहिए। यदि हम स्वयं धर्म नहीं कर सकते हैं तो जो करने के इच्छुक हैं उनके लिए हम अनुमोदक बने और उनका उत्साह बढ़ाने का कार्य करें। आगम में वर्णन आता है कि श्री कृष्ण ने संयम लेने के इच्छुकों को यह आश्वासन दे कर आश्वस्त किया था कि उनके परिजनों की देखभाल और सेवा का कार्य वे स्वयं देखेंगे। भगवान अरिष्टनेमि भी दीक्षा लेने वालों को प्रमाद से हटने व धर्म कार्य में शीघ्र प्रवृत्त होने की प्रेरणा करते थे। ऐसे कई जनों ने प्रभु के पास दीक्षा ली और खूब ज्ञानाभ्यास कर अपने शरीर को तपस्या से कृष कर सिद्ध गति को प्राप्त किया। उन महापुरूषों ने संदेश दिया है कि संसार में हमारा जन्म सार्थक तभी होगा जब हम जिनवाणी को आचरण में लाएंगे।

# भावों को निर्मल पवित्र बनाएं, यही धर्म साधना की सार्थकता : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि पर्युषण का महापर्व हमें मानसिक शुद्धि व भावों को निर्मल रखने का संदेश देता है। मानसिक शुद्धि तो शुद्ध भावों से एव शुभ विचारों से होती शुद्धि तो भाव करने से मन शुद्ध होता है।

चिंतन और चिन्ता ये दो शब्द है जिसमें इतना बड़ा अन्तर है जितना की धरती और अम्बर में। चिन्तन से आत्मा उर्ध्वगामी बनता है और चिन्ता से अधोगामी बनता है। चिन्ता से मन और मस्तिष्क में तनाव पैदा होता है। चिन्ता की गर्मी से ज्ञान तुरंत जलकर नष्ट हो जाते है।

और ज्ञान की कोशिकाएं कमजोर हो जाती है। अशुभ चिंतन से समस्याएं बढ़ती है जबकि चिन्तन से बड़ी-बड़ी समस्याओं का समाधान बड़ा ही सरलता व सहजता से प्राप्त हो सकता है। अशांत मन भी शान्त और हृदय प्रफ्फुलित हो जाता है।

साध्वी श्री जी ने श्रीकृष्ण चारित्र का वांचन करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण एक महान पात्र है। वे अनेक दिव्य विशेषताओं के संगम महापुरुष थे।

प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने श्री अन्तकृत दंशाग सूत्र का वाचन एवं विवेचन करते हुए कहा कि यदि हमारी धर्म भावना सुदर्शन की तरह दृढ़, दृढ़श्रद्धा, सच्ची भक्ति और अपने आराध्य के प्रति सम्पूर्ण समर्पण हो जाए तो हम बड़ी-बड़ी विघ्न-बाधाओं का सामना बड़ी सरलता से कर सकते है और उनमें विजय भी प्राप्त कर सकते हैं। सम्यक् श्रद्धा व आस्था पूर्ण समर्पण की भावना व अपने आराध्य के प्रति असीम विश्वास बड़े पुण्यों सेही जीवात्मा को प्राप्त होता है। मध्यान्ह में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी की निश्रा में साध्वी श्री स्नेहप्रभाजी ने के कल्पसूत्र के माध्यम से भगवान महावीर जन्म वांचन करते हुए प्रभु के महान जीवन की जन्म से लेकर निर्वाण तक की सुन्दर भावयात्रा करवाई एवं विशेष प्रवचन दिए। हनुंमतनगर महिला मंडल की सदस्याओं ने चौदह स्वप्न की नाटिका की प्रस्तुति दी। शुक्रवार को प्रवर्तकश्री पन्नालालजी महाराज की 138 वीं जयंती सामायिक की साधना के साथ तप-त्यागपूर्वक मनाई जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन संघमंत्री सुरेश धोका ने बताया कि सामूहिक क्षमायाचना का कार्यक्रम सोमवार को प्रातः 7.30 बजे होगा।

# 'अणुव्रत हमें प्रमाणिक जीवन जीना सिखाता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा विजयनगर के अंतर्गत पयुर्षण पर्व का चतुर्थ दिवस साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में अणुव्रत समिति के सदस्यों की उपस्थित में अणुव्रत चेतना दिवस मनाया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि अणुव्रत आचार्यश्री तुलसी की महत्वपूर्ण देन है। स्वतंत्रता के साथ-साथ स्वच्छंदता न बढें इसके लिए गुरुदेव तुलसी ने नैतिक और चरित्र निर्माण के उद्देश्य से समाज को अणुव्रत के छोटे-छोटे सूत्र प्रदान किए। अणुव्रत जाति और लिंग से ऊपर उठकर एक सशक्त अभियान है, हिंसा भरे वातावरण में शांति, सद्भावना और मैत्री के संगान का, चेतना के जागरण का, नैतिकता के नवनिर्माण का, व्यसन मुक्ति का। अणुव्रत हमें प्रमाणिकता का जीवन जीना सिखाता है। इसके साथ ही साध्वीश्री जी ने प्रत्याख्यान पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्याख्यान का अर्थ है त्याग, प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कोई ना कोई प्रत्याख्यान एवं त्याग अवश्य होना चाहिए। सामायिक आदि छः आवश्यक से जो शुद्धि होती है उसे सुरक्षित रखने का साधन है प्रत्याख्यान। साध्वीश्री ने सभी जीवन को कोई ना कोई त्याग अवश्य रखने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री मलययशाजी ने अणुव्रत चेतना दिवस पर कहा कि जिस प्रकार बाहरी सौंदर्य को देखने के लिए दर्पण की जरूरत होती है वैसे ही अणुव्रत के छोटे-छोटे नियम हमारी अंतरात्मा को देखने का दर्पण है। राष्ट्र व समाज के उत्थान में अणुव्रत के नियम बहुत उपयोगी है।

साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने श्रावक के बारह व्रत का वर्णन करते हुए जीवन को त्यागमय बनाने की प्रेरणा दी। साध्वी श्री दीक्षाप्रभा जी ने आगम स्वाध्याय एवं ध्यान का प्रयोग करवाया। साध्वीवृंद द्वारा अणुव्रत दिवस पर गीतिका का संगान भी किया गया। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने कार्यक्रम की जानकारियां दी। सभा के मंत्री दिनेश हिंगड़, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला अध्यक्ष मंजू गादिया,अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी, मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, अणुव्रत समिति विजयनगर की संयोजिका अंजू सेठिया आदि उपस्थित थे।

# सम्पत्ति का सदुपयोग धर्म कार्य में करना चाहिए : साध्वीश्री आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीरा बाग जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धैर्याश्रीजी ने आगम की वाचना करते हुए कहा कि श्री कृष्ण महाराज के प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान ने कहा था कि जो भी दीक्षा लेगा उसके परिवार का भरण पोषण का भार उठाऊंगा।

साध्वी आगमश्रीजी ने दान के बारे बताते हुए कहा कि जिसका दर्द देखकर हृदय व्यथित हो जाए उस व्यक्ति को दान देना चाहिए। मन अनुकम्पा से सामने वाले व्यक्ति को सुख पहुंचाएं वह दान देना चाहिए। हमें अपनी सम्पत्ति का सही उपयोग करना चाहिए।

सही काम में लगाई गई सम्पति पुण्यकारी होती है। धर्म के लिए संपति का सदुपयोग होना चाहिए ताकि हमें दस गुना फल प्राप्त हो। इस मौके पर भगवान महावीर स्वामी का जन्म वाचन प्रसंग के साथ जन्म की नाटिका का मंचन किया गया। भगवान महावीर स्वामी के जन्म दिवस पर प्रभावना में उपहार दिए गए।

जन्म दिवस पर लखपत मुणोत ने गीत प्रस्तुत किया। महासंघ एवं हीराबाग संघ के अध्यक्ष डॉ भीकमचंद सखलेचा को जन्मदिवस की बधाई दी गई। संचालन मंत्री अशोक बांठिया ने किया।

# प्रभु महावीर के जन्म पर पूरे विश्व में खुशी छा जाती है : मुनिश्री मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में पर्युषण महापर्व के षष्टम दिवस मुनिश्री मलयप्रभसागरजी ने कहा कि परमात्मा के जन्म वाचन में द्रव्य लक्ष्मी के साथ हमें भाव लक्ष्मी में भी बढ़ोतरी करनी है। हमारी आत्मा के साथ बसने वाली भाव लक्ष्मी एवं मोक्ष लक्ष्मी को हमें प्राप्त करना है। परमात्मा के जन्म के समय तीनों लोकों में खुशी की लहर छा गई थी। परमात्मा महावीर के जीवन चरित्र को तीन भागों में बांटा जा सकता है। प्रथम पुण्य काल, परमात्मा के जन्म से तीस वर्ष की आयु तक कह सकते हैं। जिस समय परमात्मा को कोई तकलीफ नहीं हुई। दूसरा छद्मस्थ काल जो दीक्षा के पश्चात साढ़े बारह वर्षो तक परिषह काल चला, जिस समय उनको बहुत परिषह सहना पड़ा। तीसरा परोपकार काल जो उसके आगे 30 वर्ष तक चला। परमात्मा जन्म से ही ज्ञाता दृष्टा भाव में जी रहे थे।

संतश्री ने कहा कि इस जगत में भोग की महिमा नहीं है, बल्कि त्याग की महिमा है।परमात्मा का अभिषेक करते समय हमें भी यही भावना रखनी है कि अभिषेक हमारी आत्मा का भी हो जिससे हमारे कषाय, राग, द्वेष का कालुष्य भी धुल सके। गुरुदेव ने परमात्मा के पाठशाला गमन, अमल क्रीड़ा के समय देव का मिथ्यात्व दूर करना आदि के बारे में बताया। माता-पिता के प्रति कर्तव्य और भाई के प्रति असीम प्रेम और आदर भी हमें महावीर के जीवन से सीखने को मिलता है। माता-पिता के देहावसान के पश्चात नव लोकतांतिक देवों ने आकर परमात्मा से दीक्षा ग्रहण करने की विनती की और परमात्मा ने एक वर्ष तक एक करोड़ 8 लाख स्वर्ण मुद्राओं का प्रतिदिन वर्षीदान दिया और दान धर्म की महिमा बताई। महावीर के जीवन से हमें यह सीखना है कि हमें सदैव अकेले ही साधना करनी है और अकेले ही सिद्ध गति प्राप्त करनी है। संघर्ष में व्यक्ति अकेला ही रहता है और सफलता में अनेकों लोग हमारे साथ जुड़ जाते हैं। शुक्रवार को परमात्मा की मूलवाणी 'बारसा सूत्र' को अपने निवास पर ले जाकर ज्ञान की और परमात्मा की भक्ति करवाने का लाभ अजितकुमार मांगीलाल साकरिया परिवार ने लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## स्वास्थ्य जांच शिविर

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में रियायती दर पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन एमईएस कॉलेज, मल्लेश्वरम में किया गया, रक्त व विटामिन संबंधित कुल 30 जांच की गई। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरडिया राजेश देरासरिया, मुकेश भंडारी, अभिषेक पीपाड़ा एवं किशोर मण्डल से नमन श्रीश्रीमाल, दर्शन पोरवाड, हर्ष कोठारी, भरत देरासरिया ने व्यवस्था संभाली। कॉलेज के प्रिंसिपल उषारानी ने तेयुप को धन्यवाद दिया।

# तेरापंथ सभा आरआरनगर का 'गुरुदर्शन यात्रा संघ' 13 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी सभा राजराजेश्वरीनगर द्वारा 13 सितम्बर को सूरत में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शनार्थ गुरुदर्शन हवाई यात्रा संघ का आयोजन किया जा रहा है। उसी संदर्भ में गुरुदेव के दर्शनार्थ आयोजित हवाई यात्रा संघ के बैनर का अनावरण साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में किया गया। इस अवसर पर यात्रा सहयोगी परिवार विमल कटारिया परिवार एवं गुलाबदेवी छाजेड़ परिवार, राजाराजेश्वरी नगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बांठिया, तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, यात्रा संयोजक राजेश छाजेड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी, विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला अध्यक्षा मंजु गादिया, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने बैनर का अनावरण किया। राकेश छाजेड़ ने यात्रा संघ की जानकारी दी।

# आदर्श स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस और गणेश उत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित मनवरथपेट स्थित आदर्श स्कूल में शिक्षक दिवस और गणेश उत्सव का संयुक्त समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। संचालन करते हुए स्कूल के प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा यादव ने अपने संबोधन में शिक्षकों की महत्ता, शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों की जिम्मेदारियों और गणेशजी के आदर्शों पर जोर दिया। इस अवसर पर छात्रों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और गणेशजी की स्तुति में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें नृत्य, गायन और नाटक शामिल थे। बच्चों के उत्साह और प्रतिभा की सबने सराहना की। समारोह का समापन मिठाइयों और प्रसाद के वितरण के साथ हुआ। गणेश आरती के बाद, शिक्षकों को विशेष रूप से सम्मानित कर उपहार प्रदान किए गए।

# प्रभु महावीर के जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के महालक्ष्मी लेआउट श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय में 24 तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। माता त्रिशला के 14 स्वपनों का श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। त्रिशाला माता बनने का लाभ रिचा जयंत मंजू जवाहर रमानी परिवार ने लिया। पालना के लाभार्थी नरेशकुमार महेंद्रकुमार, सुनीलकुमार बंबोरी ने लिया और शाम को भक्ति भावना में चिंतामणि पार्श्वनाथ महिला मंडल, गुरुभक्त उमेश भंडारी, पंकज श्रीमाल, विशेष सुरेश एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर ममता छाजेड़ और रीना बंबोरी के निर्देशन में बालक बालिकाओं ने 'हमारे जिनशासन के प्रति प्रीति' नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। बम्बोरी परिवार ने सभी का स्वागत किया तथा धन्यवाद दिया।

## प्रभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी, मुनिश्री निर्मोहप्रभविजयजी व साध्वीश्री की निश्रा में चिकपेट आदिनाथ दादा के दरबार में भगवान वर्धमानकुमार के साथ पाठशाला गमन के निमित्त श्रीत्रिशला माता और सिद्धार्थराजा बनकर आए नन्हे मुन्ने बच्चों को प्रभावना की गई। लाभार्थी पुष्पाबाई मोतीलाल हीराचंद संघवी परिवार सहित सर्वोत्तम आदिनाथ सेवा मंडल के सदस्यों ने प्रभावना का वितरण किया।


Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,


(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.


HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com